NAAC A+
Accredited University

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

हिन्दी दिवस समारोह -2024
हिन्दी पखवाड़ा

14-25 सितम्बर, 2024

प्रतिवेदन

राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

NAAC A+
Accredited University
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
हर भारतीय की शक्ति है हिन्दी,
एक सहज अभिव्यक्ति है हिन्दी।
हिन्दी दिवस
14 सितम्बर
की हार्दिक शुभकामनाएँ
प्रो. नीलिमा गुप्ता
कुलगुरु
Follow us on & @Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar @DoctorGour @sagaruniversity

माननीया कुलपति महोदया प्रो. नीलिमा गुप्ता को राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित 'राजभाषा हीरक जयंती विशेषांक' तथा हिन्दी दिवस- 2024 के अवसर पर जारी माननीय श्री अमित शाह, गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार के शुभकामना संदेश की प्रति भेंट करते हुए श्री संतोष सोहगौरा, राजभाषा अधिकारी (प्र.) एवं राजभाषा प्रकोष्ठ के कर्मचारीगण।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

राजभाषा प्रकोष्ठ

हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम- 2024

(14 सितम्बर से 25 सितम्बर, 2024)

।।प्रतिवेदन।।

भारत की संविधान सभा ने 14 सितम्बर, 1949 को हिन्दी को संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया और तब से इस दिवस को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 351 में संघ से यह अपेक्षा की गई है कि वह हिन्दी भाषा का प्रसार बढ़ाए, उसका विकास करे जिससे वह भारत की सामासिक संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके। संविधान की इसी भावना के अनुरूप देश का प्रत्येक केन्द्रीय कार्यालय राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के दिशानिर्देशन में हिन्दी दिवस/हिन्दी सप्ताह/हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन करता है। एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय होने के नाते डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय भी राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष हिन्दी दिवस/हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन करता है।

माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से विश्वविद्यालय का राजभाषा प्रकोष्ठ इस वर्ष भी भाषा पर्व अर्थात हिन्दी दिवस को दिनांक 14 से 25 सितम्बर, 2024 तक 'हिन्दी पखवाड़ा' के रूप मे मनाया गया। हिन्दी पखवाड़े के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा विश्वविद्यालय परिसर स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक- 04 के छात्र-छात्राओं हेतु स्व-रचित रचना पाठ, चित्रकला प्रतियोगिता, हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता, हिन्दी टंकण प्रतियोगिता, आशुभाषण प्रतियोगिता जैसी विभिन्न गतिविधियाँ एवं कार्यक्रम आयोजित किए गए।

14-15 सितम्बर, 2024 को भारत मण्डपम, नई दिल्ली में आयोजित चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन एवं हिन्दी दिवस- 2024 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए माननीय श्री अमित शाह, गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार।

हिन्दी पखवाड़ा - 2024

कार्यक्रम विवरण

क्र.	तिथि	कार्यक्रम विवरण	समन्वयक/निर्णायक	कार्यक्रम स्थल
1.	14 सितम्बर, 2024 (शनिवार)	**माननीय श्री अमित शाह, गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार** की अध्यक्षता में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भारत मण्डपम, नई दिल्ली में आयोजित हिन्दी दिवस एवं अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का प्रसारण	डॉ. रूपेन्द्र जुगल चौरसिया प्रभारी, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ	गौर समिति कक्ष नवीन प्रशासनिक भवन
2.	17 सितम्बर, 2024 (मंगलवार)	**स्व-रचित रचना पाठ** विश्वविद्यालय परिवार के हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा-भाषी सदस्यों द्वारा ('भारतीय भाषा प्रकोष्ठ' एवं 'हिन्दी क्लब' के सौजन्य से)	डॉ. संजीव सर्राफ डॉ. राकेश सोनी	रंगनाथन भवन सभागार
3.	18 सितम्बर, 2024 (बुधवार)	**हिन्दी चित्रकला प्रतियोगिता** विषय: भारत की भाषायी एवं सांस्कृतिक विविधता (विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु)	डॉ. सुप्रभा दास	ललित एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग
4.	19 सितम्बर, 2024 (गुरूवार)	**हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता** (केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-04 के विद्यार्थियों हेतु)	प्राचार्य, केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-04	केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-04
5.	20 सितम्बर, 2024 (शुक्रवार)	**हिन्दी टंकण प्रतियोगिता** (कर्मचारियों हेतु)	डॉ. अभिषेक बंसल अध्यक्ष, कम्प्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग	प्रयोगशाला क्रमांक- 05 कम्प्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग
6.	23 सितम्बर, 2024 (सोमवार)	**आशुभाषण प्रतियोगिता** (विश्वविद्यालय के अधिकारियों हेतु)	श्री आशीष तिवारी सहायक कुलसचिव	गौर समिति कक्ष, कुलपति सचिवालय
7.	24 सितम्बर, 2024 (मंगलवार)	**टिप्पण, प्रारूपण एवं कार्यालयीन पत्राचार** पर कार्यशाला (विश्वविद्यालय के समस्त अवर श्रेणी लिपिकहेतु)	श्री संतोष सोहगौरा संयुक्त कुलसचिव	रंगनाथन भवन सभागार
8.	25 सितम्बर, 2024 (बुधवार)	**पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह** **मुख्य अतिथि- मान. सुश्री शोभा पैठणकर** सुप्रसिद्ध शिक्षाविद् एवं समाजसेवी **अध्यक्षता- मान. प्रो. नीलिमा गुप्ता** कुलगुरू	राजभाषा अधिकारी	रंगनाथन भवन सभागार

01

उद्घाटन समारोह

(14-15 सितम्बर, 2024)

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भारत मण्डपम, नई दिल्ली में आयोजित हिन्दी दिवस समारोह-2024 एवं चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन

राजभाषा विभाग द्वारा हिन्दी के राजभाषा बनने के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 14-15 सितंबर, 2024 को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में हिन्दी दिवस समारोह- 2024 एवं चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता माननीय केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट उपस्थिति श्री नित्यानंद राय, माननीय गृह राज्य मंत्री, श्री बंडी संजय कुमार, माननीय गृह राज्य मंत्री तथा राज्यसभा के माननीय उपसभापति श्री हरिवंश जी की रही। माननीय गृह मंत्री ने राजभाषा हीरक जयंती के अवसर पर विशेष रूप से तैयार किए गए 'राजभाषा भारती' पत्रिका के हीरक जयंती विशेषांक तथा हीरक जयंती को यादगार बनाने के लिए एक स्मारक डाक टिकट और स्मारक सिक्के का लोकार्पण किया। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान राजभाषा गौरव तथा राजभाषा कीर्ति पुरस्कार प्रदान किए साथ ही कुछ और पुस्तकों व पत्रिकाओं का लोकार्पण भी किया।

इस अवसर पर गृह एवं सहकारिता मंत्री ने भारतीय भाषा अनुभाग का भी शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी लगातार हिंदी और भारतीय भाषाओं के विकास और उनके बीच बेहतर तालमेल पर जोर देते रहे हैं। संविधान के मंतव्य और प्रधानमंत्री जी के निर्देश को ध्यान में रखते हुए, हिंदी के साथ भारतीय भाषाओं के प्रयोग को बढ़ावा देने और उनके बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से, गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग ने भारतीय भाषा अनुभाग की स्थापना किए जाने का प्रस्ताव रखा था जिसे आज हिन्दी प्रेमियों के विशाल जनसमूह के बीच संकल्प के रूप में उद्घोषित किया जा रहा है।

ध्यातव्य है कि माननीय गृह मंत्री ने वर्ष 2019 में देश के विभिन्न शहरों में बृहत् स्तर पर हिंदी दिवस आयोजित करने की संकल्पना की थी। इसी संकल्पना को साकार करते हुए वर्ष 2021 में वाराणसी में हिन्दी दिवस और पहला अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया गया। उसके बाद 2022 में सूरत और 2023 में पुणे में हिन्दी दिवस और दूसरा तथा तीसरा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया गया। इन आयोजनों से देश भर के राजभाषा कार्मिकों और अधिकारियों में नव ऊर्जा का संचार हुआ है।

देश की राजधानी में हिंदी दिवस और चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन इस मायने में भी विशेष है कि राजभाषा विभाग इस अवसर को हीरक जयंती के रूप में मना रहा है। हिंदी के राजभाषा बनने की 75 वर्ष की यात्रा ने न केवल कई महत्वपूर्ण पड़ाव पार किए हैं बल्कि तकनीक के क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति भी की है।

दो दिन के चौथे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में 75 वर्षों में राजभाषा, जनभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की प्रगति पर गहन विचार-मंथन हुआ। सम्मेलन के पहले दिन 14 सितंबर को मध्याहन भोजन के बाद सत्र में 'राजभाषा हीरक जयंती- 75 वर्षों में राजभाषा, जनभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की प्रगति' पर विचार विमर्श हुआ कार्यक्रम में विशिष्ट उपस्थिति राज्यसभा सांसद मान. डॉ. सुधांशु त्रिवेदी की रही जबकि दूसरे सत्र में 'भारत की सांस्कृतिक विरासत और हिंदी' विषय पर केन्द्रित संवाद हुआ जिसमें लोकप्रिय हिंदी कवि डॉ. कुमार विश्वास ने प्रतिभागिता की। सत्र का संचालन ख्यात कवयित्री कविता तिवारी ने किया।

15 सितंबर को सम्मलेन के तीसरे सत्र में 'भाषा शिक्षण में शब्दकोश की भूमिका एवं देवनागरी लिपि का वैशिष्ट्य' में देश के प्रसिद्ध भाषाविद् और कोशकार प्रो. विमलेश कांति वर्मा, प्रो. एस. तंकमणि अम्मा, प्रो. गिरीश नाथ झा आदि ने अपनी बात रखी। 'तकनीक के दौर में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में "नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति" के योगदान' पर आयोजित चौथै सत्र को माननीय गृह राज्यमंत्री श्री नित्यानंद राय, प्रथम आयकर आयुक्त डॉ. अम्लान त्रिपाठी, श्री अतुल कुमार गोयल एवं श्री अजय कुमार श्रीवास्तव ने संबोधित किया।

पाँचवाँ सत्र 'भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023: एक परिचर्चा' पर था जिसे केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री मान. श्री अर्जुन राम मेघवाल तथा प्रो. संगीत रागी ने संबोधित किया। अंतिम सत्र 'हिंदी भाषा के विकास का सशक्त माध्यम भारतीय सिनेमा' होगा, जिसे प्रसिद्ध अभिनेता श्री अनुपम खेर और जाने माने फिल्म निर्माता एवं निर्देशक श्री चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने संबोधित किया।

उद्घाटन सत्र में राज्य सभा के उपसभापति मान. श्री हरिवंश, केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री मान. श्री नित्यानंद राय और मान. श्री बंडी संजय कुमार जी, संसदीय राजभाषा समिति के उपाध्यक्ष श्री भर्तृहरि महताब एवं समिति के अन्य सदस्यगण, भारत सरकार के सचिव, विभिन्न बैंकों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (PSUs) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (CMDs), दक्षिण भारत के दो हिंदी विद्वान प्रो. एम गोविन्दराजन और प्रो. एस आर सर्राजु तथा हिंदी जगत के दो विशिष्ट विद्वान प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित और डॉ. हरिओम पंवार उपस्थित रहे। दो दिवसीय सम्मेलन में दस हज़ार से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें देश भर के राजभाषा कर्मियों के साथ-साथ हिंदी के विद्वान और भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से विश्वविद्यालय की ओर से श्री संतोष सोहगौरा, संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी तथा श्री अभिषेक सक्सेना, हिन्दी अनुवादक ने प्रतिभागिता की। विश्वविद्यालय में भी उक्त कार्यक्रम के सीधे प्रसारण की व्यवस्था गौर समिति कक्ष, नवीन प्रशासनिक भवन में की गई थी। विविध संचार माध्यमों से प्रसारित कार्यक्रम की लिंक के माध्यम से भी विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य कार्यक्रम के साक्षी बने। कार्यक्रम का समन्वयन सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री रूपेन्द्र जुगल चौरसिया ने किया। विशेष सहयोग श्री विनोद रजक का रहा।

विश्वविद्यालय में हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों में सहभागिता का आह्वान

आचरण संवाददाता

सागर। विश्वविद्यालय में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन से राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भाषा पर्व (राष्ट्रीय हिन्दी दिवस 14 सितम्बर) पर विश्वविद्यालय में दिनांक 14 से 25 सितम्बर, 2024 तक 'हिन्दी पखवाड़ा' का आयोजन किया जा रहा है। हिन्दी पखवाड़े के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक- 04 के छात्र-छात्राओं हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जिसका विवरण विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। ध्यातव्य है कि हिन्दी पखवाड़े का शुभारम्भ अखिल भारतीय स्तर पर दिनांक 14 सितम्बर, 2024 को अमित शाह, गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार की अध्यक्षता में भारत मण्डपम, नई दिल्ली से किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में कार्यक्रम का सीधा प्रसारण 14 सितंबर सुबह 11 बजे से गौर समिति कक्ष में किया जा रहा है।

कार्यक्रम के संयोजक एवं प्रभारी हिन्दी अधिकारी संतोष सोहगौरा ने बताया कि हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत स्व-रचित रचना पाठ, हिन्दी टंकण प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, आशुभाषण प्रतियोगिता, हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता तथा निम्न श्रेणी लिपिकों हेतु टिप्पण, प्रारूपण एवं कार्यालयीन पत्राचार पर कार्यशाला तथा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने के लिए विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान जैसे रूचिकर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पखवाड़े के दौरान प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र दिनांक 25 सितम्बर, 2024 को आयोजित 'पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह में माननीया कुलपति जी द्वारा प्रदान किए जायेंगे।

14/09/2024

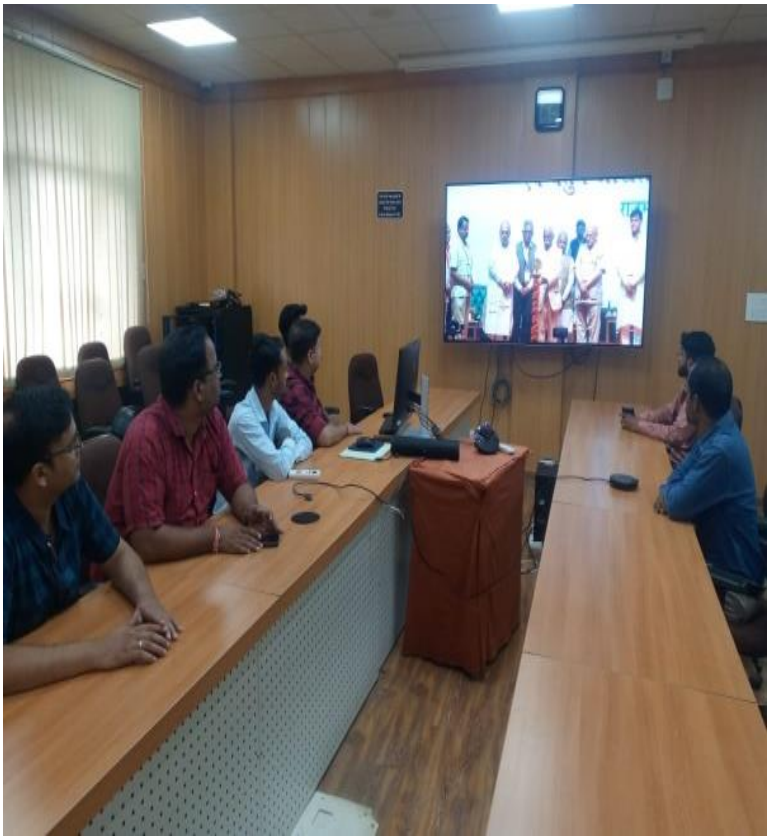

02

स्व-रचित रचना पाठ

(17 सितम्बर, 2024)

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के रंगनाथन भवन के सभागार में राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा भारतीय भाषा प्रकोष्ठ एवं हिंदी क्लब के सौजन्य से विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों हेतु 'स्व-रचित रचनापाठ' कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। स्व-रचित रचना पाठ कार्यक्रम का शुभारंभ पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. महेन्द्र आर्या की कविता 'चालीस पार' से हुआ। शिक्षाशास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. अनूपी समैया ने कविता के माध्यम से विद्यार्थियों की मनोदशा का बखूबी चित्रण किया। संस्कृत विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. रामहेत गौतम ने अपनी कविता 'सत्यम नाम है मेरा' में एक बच्चे की पढ़ने की इच्छा को शब्द दिए। बी.ए. पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों श्री अनुराग यादव और दीपेन्द्र लोधी ने विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. सर हरीसिंह गौर के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए 'गॉड फादर ऑफ सागर' एवं 'भए डॉक्टर गौर दानी' कविताओं की मनमोहक प्रस्तुति दी। शोधार्थी हिंमाशु तिवारी ने 'ज़िंदगी की आस करें भी तो क्या करें' ग़ज़ल को तरन्नुम में गाकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. विवेक जायसवाल और ललित एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. राकेश सोनी ने क्रमश: 'संशय' और 'भौंरा' कविता का पाठ किया। प्रभारी अनुभाग अधिकारी डॉ. उदय श्रीवास्तव की कविता ''समाधान' को श्रोताओं ने खूब सराहा। हिन्दी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. हिमांशु कुमार की कविता 'बेटी और साइकिल' भी खूब सराही गयी। कार्यक्रम में श्री प्रबल पाण्डेय, श्री शशांक सौरभ, श्री अम्बुज श्रीवास्तव, श्री सिद्धांत शर्मा, श्री हरीश द्विवेदी, श्री राघवेन्द्र सिंह लोधी, श्री बालमुकुंद अहिरवार आदि विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं कर्मचारियों ने अपनी मौलिक रचनाएं प्रस्तुत कीं। प्रभारी हिन्दी अधिकारी एवं हिन्दी पखवाड़ा के संयोजक श्री संतोष सोहगौरा ने 'इंतजार है' कविता ने श्रोताओं की खूब वाहवाही बटोरी। विशेष आकर्षण निदेशक, अकादमिक गतिविधियाँ प्रो. नवीन कानगो द्वारा प्रस्तुत ग़ज़ल 'कहकशां हूं मैं' रही। आभार ज्ञापन कार्यक्रम के समन्वयक एवं भारतीय भाषा प्रकोष्ठ के सचिव डॉ. संजीव सर्राफ, उपपुस्तकालयाध्यक्ष ने किया। संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ के हिन्दी अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग श्री विनोद रजक एवं पुस्तकालय के सूचना विज्ञानी श्री दयानप्पा कोरी का रहा। इस अवसर पर श्रोता के रूप में डॉ. संजय नाईनवाड, डॉ. हेमंत रावत, सलोनी शर्मा सहित भारी संख्या में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

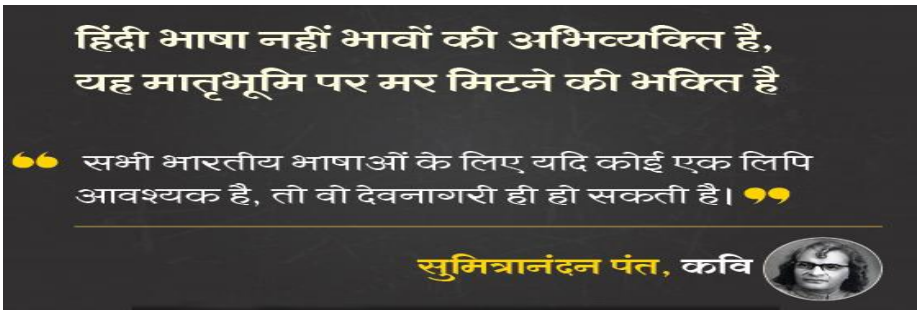

NAAC A+
Accredited University
हिन्दी पखवाड़ा
14-25 सितम्बर, 2024
संरक्षक
मा. प्रो. नीलिमा गुप्ता
कुलगुरु
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
संयोजक
संतोष सोहगौरा
हिन्दी अधिकारी (प्र.)
समन्वयक
डॉ. संजीव सर्राफ एवं डॉ. राकेश सोनी
हिन्दी दिवस समारोह-2024
भारतीय भाषा प्रकोष्ठ एवं
हिन्दी क्लब की प्रस्तुति
स्व-रचित
रचना पाठ
विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों द्वारा...
मंगलवार, 17 सितम्बर, 2024
अपराह्न 3.00 बजे से...
कार्यक्रम स्थल
रंगनाथन भवन, केन्द्रीय पुस्तकालय परिसर
आयोजक
राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

हिन्दी दिवस समारोह-2024
NAAC

हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत काव्य गोष्ठी संपन्न

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाड़ा 2024 के अंतर्गत स्व.रचित रचनापाठ कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. महेन्द्र आर्या की कविता चालीस पार से हुई। इसके बाद डॉ. अनूपी समैया ने कविता के माध्यम से विद्यार्थियों की मनोदशा का चित्रण किया। डॉ. रामहेत गौतम ने अपनी कविता सत्यम नाम है मेरा में एक बच्चे की पढ़ने की इच्छा को व्यक्त किया। विद्यार्थियों ने डॉ. सर हरीसिंह गौर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुये कविताओं की सुंदर प्रस्तुति दी। शोधार्थी हिंमाशु तिवारी की गजल ने भी कार्यक्रम में चार चांद लगा दिये। डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. उदय श्रीवास्तव और डॉ. हिमांशु यादव की कविताओं को भी दर्शकों ने सराहा। विद्यार्थियों, शोधार्थियों और कर्मचारियों ने अपनी मौलिक रचनाओं से कार्यक्रम को सजाया। संतोष सोहगौरा की इंतजार है कविता और प्रो. नवीन कानगो की गजल कहकशां हूं मैं ने विशेष सराहना प्राप्त की। कार्यक्रम का संचालन अभिषेक सक्सेना ने किया और आभार ज्ञापन डॉ. संजीव सराफ ने किया। इसके साथ ही हिन्दी पखवाड़ा के संयोजक संतोष सोहगौरा ने आगामी दिन में भारत की भाषायी एवं सांस्कृतिक विविधता विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता के आयोजन की जानकारी दी, जिसमें विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किये जायेंगे।

18/09/2024

हिंदी पखवाड़ा में हुई काव्य गोष्ठी

सागर @ पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर विवि में राजभाषा प्रकोष्ठ ने कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया। इसमें भारतीय भाषा प्रकोष्ठ एवं हिंदी क्लब के सौजन्य से आयोजित 'स्व-रचित रचनापाठ' कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. महेन्द्र आर्या, सहायक प्राध्यापक की कविता 'चालीस पार' से हुआ। डॉ. अनूपी समैया, सहायक प्राध्यापक ने कविता के माध्यम से विद्यार्थियों की मनोदशा का बखूबी चित्रण किया। डॉ. रामहेत गौतम, सहायक प्राध्यापक ने अपनी कविता 'सत्यम नाम है मेरा' में एक बच्चे की पढ़ने की इच्छा को शब्द दिए। विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. गौर के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए गॉड फादर ऑफ सागर एवं 'भए डॉक्टर गौर दानी' कविताओं की मनमोहक प्रस्तुति दी। शोधार्थी हिंमाशु तिवारी ने 'जिंदगी आस करें भी तो क्या करें' गजल को तरन्नुम में गाकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम में डॉ. विवेक जायसवाल, डॉ. राकेश सोनी ने क्रमशः 'संशय' और 'भौंरा' कविता का पाठ किया।

18/09/2024

03

चित्रकला प्रतियोगिता

(18 सितम्बर, 2024)

हिन्दी पखवाड़ा-2024 के अंतर्गत विश्वविद्यालय के आचार्य शंकर भवन में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु 'भारत की भाषायी एवं सांस्कृतिक विविधता' विषय 'चित्रकला प्रतियोगिता' आयोजित की गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा उकेरे गए चित्रों का अवलोकन करते हुए कार्यक्रम के संयोजक संतोष सोहगौरा, संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी (प्र.) ने कहा कि चित्रकला मनोभावों को उकेरने का सशक्त माध्यम है। किसी भी चित्रकार द्वारा बनाए गए चित्र सिर्फ कला के प्रति उसके हुनर का प्रदर्शन ही नहीं करते हैं बल्कि उसके चित्र रंगों के माध्यम से समाज के यथार्थ को भी अभिव्यक्ति प्रदान करते हैं।

प्रतियोगिता की समन्वयक एवं निर्णायक डॉ. सुप्रभा दास, सहायक प्राध्यापक, ललित एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग ने बताया कि चित्रकला को करियर के रूप में अपनाकर न केवल अपने मनोभावों को व्यक्त किया जा सकता है बल्कि यश-कीर्ति एवं धन भी अर्जित किया जा सकता है। इस प्रतियोगिता में आरोही देसाई, संजना, अर्चिता सिंह, पुष्पराज सिंह, वैभव, मोनालिसा, भावना, सुगंधि, नीलम, अनीशा, आयुष सिंह, शिवानी, अमित कुमार ब्यौहार, गार्गी, अतुल एवं शैलेन्द्र सिंह सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के लगभग चालीस विद्यार्थियों ने उल्लास पूर्वक अपनी रचनात्मक उपस्थिति दर्ज करायी। कार्यक्रम का समन्वयन ललित एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. सुप्रभा दास ने किया। प्रतियोगिता में कु. आरोही देसाई ने प्रथम, कु. अनीशा सिंह ने द्वितीय और श्री चंद्रविजय सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजयी प्रतिभागियों को 25 सितम्बर को आयोजित पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह में माननीय कुलगुरू महोदया द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। चित्रकला प्रतियोगिता में राजभाषा प्रकोष्ठ से अभिषेक सक्सेना एवं विनोद रजक तथा ललित कला विभाग के शोधार्थी शालू सोनी, किरन ठाकुर, नेहा गुप्ता तथा सहयोगी के रूप में अमित भदोरिया, प्रदीप सिंह एवं मनोज विश्वकर्मा इत्यादि भी उपस्थित रहे।

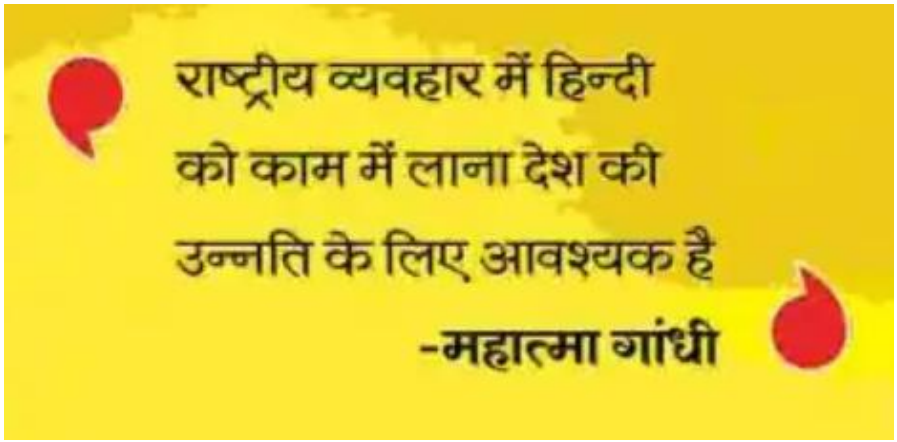

हिन्दी दिवस समारोह -2024
हिन्दी पखवाड़ा
14-25 सितम्बर, 2024
चित्रकला प्रतियोगिता
विषय - भारत की भाषायी एवं सांस्कृतिक विविधता
(विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए)
दिनांक - 18 सितम्बर, 2024, बुधवार
समय - पूर्वान्ह 11.30 बजे
स्थान-ललित एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग
संरक्षक
मा. प्रो. नीलिमा गुप्ता
कुलगुरु
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
संयोजक
संतोष सोहगौरा
हिन्दी अधिकारी (प्र.) एवं
संयुक्त कुलसचिव
समन्वयक
डॉ. सुप्रभा दास
सहायक प्राध्यापक
ललित एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग
आयोजक
राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

हिंदी पखवाड़ा : चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा हिंदी पखवाड़ा 2024 के अंतर्गत भारत की भाषायी एवं सांस्कृतिक विविधता विषय पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। जिसमें विवि के विभिन्न विभागों के लगभग चालीस विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के संयोजक एवं हिन्दी अधिकारी प्र. संतोष सोहगौरा ने प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों के चित्रों का अवलोकन करते हुये कहा कि चित्रकला भावनाओं को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम है, और यह समाज के यथार्थ को रंगों के माध्यम से प्रस्तुत करती है। प्रतियोगिता की समन्वयक डॉ. सुप्रभा दास ने बताया कि चित्रकला को करियर के रूप में अपनाकर न केवल आत्म अभिव्यक्ति की जा सकती है, बल्कि इससे यश और धन भी अर्जित किया जा सकता है। प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को 25 सितम्बर को कुलगुरू द्वारा पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किये जायेंगे। हिंदी पखवाड़ा के तहत अन्य प्रतियोगिताओं की श्रृंखला में स्वाभिमान एवं गर्व की भाषा है हिंदी विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें केंद्रीय विद्यालय क्र. 04 के विद्यार्थियों की भागीदारी रही।

19/09/2024

दैनिक भास्कर सागर 21-09-2024

लिखावट लेखक के व्यक्तित्व को परिलक्षित करती है : सोहगौरा

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा हिंदी पखवाड़ा-2024 के तहत केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-4 में हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता कराई गई। स्वाभिमान एवं गर्व की भाषा है हिंदी विषय पर हुई प्रतियोगिता में विद्यालय के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। इसका अवलोकन करते हुए कार्यक्रम के संयोजक हिंदी अधिकारी एवं संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने कहा लिखावट व्यक्तित्वों को परिलक्षित करती है। मोबाइल एवं तकनीकी के इस समय में भी कागज-कलम का ऐसा सुंदर प्रयोग हमें आश्वस्त करता है कि हिंदी एवं भारतीय भाषाओं का भविष्य उज्जवल है।

प्रतियोगिता समन्वयक प्राचार्य आरएस वर्मा ने कहा हमारे नौनिहाल भविष्य के भारत की नींव हैं। उनमें अपनी भाषा एवं संस्कृति के प्रति गौरव का भाव विकसित करने का उत्तरदायित्व हमारा है, जिसके लिए हम निरंतर प्रयासरत हैं। विद्यालय के हिंदी शिक्षक योगेन्द्र कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में 10वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने सहभागिता की है। यह संख्या मातृभाषा के प्रति उनके प्रेम को प्रकट करती है। विजयी प्रतिभागियों को 25 सितंबर को कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे। इस मौके पर डॉ. हिमांशु कुमार, राजभाषा प्रकोष्ठ से अभिषेक सक्सेना, विनोद रजक तथा केन्द्रीय विद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष मनोज कुमार नेमा आदि मौजूद थे।

हिंदी पखवाड़ा में लघुकथा लेखन व चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में साहित्य परिषद हिन्दी विभाग हिंदी पखवाड़ा महोत्सव मना रहा है। बुधवार को लघुकथा लेखन और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। लघुकथा लेखन में विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

इस प्रतियोगिता के निर्णायक हिन्दी विभाग के प्रो. राजेन्द्र यादव, डॉ. संजय नैनवाड एवं संस्कृत विभाग के डॉ. रामहेत गौतम थे। संचालन हिन्दी की शोधार्थी शुभांगी ओखदे एवं समन्वय शोधार्थी नेहा दुबे ने किया। वहीं भारत की भाषायी एवं सांस्कृतिक विविधता विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता हुई। संयोजक संतोष सोहगौरा ने कहा कि चित्रकला मनोभावों को उकेरने का सशक्त माध्यम है। किसी भी चित्रकार द्वारा बनाए गए चित्र सिर्फ कला के प्रति उसके हुनर का प्रदर्शन ही नहीं करते हैं, बल्कि उसके चित्र रंगों के माध्यम से समाज के यथार्थ को भी अभिव्यक्ति प्रदान करते हैं।

19/09/2024

विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता सम्पन्न?

जनचिंगारी- 9302303212

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा माननीया प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलगुरू की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से हिन्दी पखवाड़ा–2024 के अंतर्गत 'भारत की भाषायी एवं सांस्कृतिक विविधता' विषय पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु आयोजित 'चित्रकला प्रतियोगिता' सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा उकेरे गए चित्रों का अवलोकन करते हुए कार्यक्रम के संयोजक संतोष सोहगौरा, संयुक्त कुलसचिव एवं हिन्दी अधिकारी (प्र.) ने कहा कि चित्रकला मनोभावों को उकेरने का सशक्त माध्यम है। किसी भी चित्रकार द्वारा बनाए गए चित्र सिर्फ कला के प्रति उसके हुनर का प्रदर्शन ही नहीं करते हैं बल्कि उसके चित्र रंगों के माध्यम से समाज के यथार्थ को भी अभिव्यक्ति प्रदान करते हैं।
आयोजित प्रतियोगिता की समन्वयक डॉ. सुप्रभा दास, सहायक प्राध्यापक, ललित एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग ने बताया कि चित्रकला को करियर के रूप में अपनाकर न केवल अपने मनोभावों को व्यक्त किया जा सकता है बल्कि यश–कीर्ति एवं धन भी अर्जित किया जा सकता है। इस प्रतियोगिता में आरोही देसाई, संजना, अर्चिता सिंह, पुष्पराज सिंह, वैभव, मोनालिसा, भावना, सुगंधि, नीलम, अनीसा, आयुष सिंह, शिवानी, अमित कुमार ब्यौहार, गार्गी, अतुल एवं शैलेन्द्र सिंह सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के लगभग चालीस विद्यार्थियों ने उल्लास पूर्वक कैनवास में चित्र उकेरकर अपनी रचनात्मक उपस्थिति दर्ज करायी। प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को 25 सितम्बर को कुलगुरू महोदया द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किए जायेंगे। इस अवसर पर राजभाषा प्रकोष्ठ से अभिषेक सक्सेना एवं विनोद रजक तथा ललित कला विभाग के शोधार्थी शालू सोनी, किरन ठाकुर, नेहा गुप्ता एवं सहयोगी के रूप में अमित भदोरिया, प्रदीप सिंह एवं मनोज विश्वकर्मा भी उपस्थित रहे।

19/09/2024

विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता सम्पन्न

दबंग बुन्देलखंड

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा कुलगुरू प्रो. नीलिमा गुप्ता की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से हिन्दी पखवाड़ा-2024 के अंतर्गत 'भारत की भाषायी एवं सांस्कृतिक विविधता' विषय पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु आयोजित 'चित्रकला प्रतियोगिता' सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा उकेरे गए चित्रों का अवलोकन करते हुए कार्यक्रम के संयोजक संतोष सोहगौरा, संयुक्त कुलसचिव एवं हिन्दी अधिकारी (प्र.) ने कहा कि चित्रकला मनोभावों को उकेरने का सशक्त माध्यम है। किसी भी चित्रकार द्वारा बनाए गए चित्र सिर्फ कला के प्रति उसके हुनर का प्रदर्शन ही नहीं करते हैं बल्कि उसके चित्र रंगों के माध्यम से समाज के यथार्थ को भी अभिव्यक्ति प्रदान करते हैं। आयोजित

प्रतियोगिता की समन्वयक डॉ. सुप्रभा दास, सहायक प्राध्यापक, ललित एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग ने बताया कि चित्रकला को करियर के रूप में अपनाकर न केवल अपने मनोभावों को व्यक्त किया जा सकता है बल्कि यश-कीर्ति एवं धन भी अर्जित किया जा सकता है। इस प्रतियोगिता में आरोही देसाई, संजना, अर्चिता सिंह, पुष्पराज सिंह, वैभव, मोनालिसा, भावना, सुगंधि, नीलम, अनीसा, आयुष सिंह, शिवानी, अमित कुमार ब्यौहार, गार्गी, अतुल एवं शैलेन्द्र सिंह सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के लगभग चालीस विद्यार्थियों ने उल्लास पूर्वक कैनवास में चित्र उकेरकर अपनी रचनात्मक उपस्थिति दर्ज करायी। प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को 25 सितम्बर को माननीया कुलगुरू महोदया द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए जायेंगे। इस अवसर पर राजभाषा प्रकोष्ठ से अभिषेक सक्सेना एवं विनोद रजक तथा ललित कला विभाग के शोधार्थी शालू सोनी, किरन ठाकुर, नेहा गुप्ता एवं सहयोगी के रूप में अमित भदौरिया, प्रदीप सिंह एवं मनोज विश्वकर्मा भी उपस्थित रहे।

राजभाषा पखवाड़ा के संयोजक संतोष सोहगौरा, संयुक्त कुलसचिव एवं हिन्दी अधिकारी (प्र.) ने बताया कि विश्वविद्यालय में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन 14 से 25 सितम्बर, 2024 तक किया जा रहा है जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में कल विश्वविद्यालय परिसर स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 04 के विद्यार्थियों हेतु 'स्वाभिमान एवं गर्व की भाषा है हिन्दी' विषय पर हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की जा रही

विश्वविद्यालय : हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत लघुकथा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

दबंग बुन्देलखंड

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में साहित्य परिषद्, हिन्दी विभाग के द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाड़ा महोत्सव 2024 के तहत द्वितीय प्रतियोगिता लघुकथा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने प्रतिभागियों के रूप में हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक हिन्दी विभाग के प्रो. राजेन्द्र यादव, डॉ. संजय नैनवाड एवं संस्कृत विभाग के डॉ. रामहेत गौतम थे। इस दौरान प्रतियोगिता का संचालन हिन्दी की शोधार्थी शुभांगी ओखदे एवं समन्वय शोधार्थी नेहा दुबे ने किया. हिंदी के शोधार्थियों- दुर्गेश कुमार सराठे, संजय कुमार श्यामले, संतोष कुमार, धर्मेंद्र शुक्ला, सूर्यकांत प्रजापति, सुरेन्द्र तिवारी, अंकित भारद्वाज और प्रतिभा इत्यादि ने उल्लेखनीय सहयोग कर प्रतियोगिता को सफल बनाया। हिंदी के शिक्षकों में डॉ. अफरोज बेगम और डॉ. अरविंद कुमार ने अपने मार्गदर्शन और सहयोग से कार्यक्रम को गरिमापूर्ण दिशा दी। सम्पूर्ण कार्यक्रम के संयोजक हिन्दी विभाग के डॉ. हिमांशु कुमार ने प्रतियोगिता सम्बन्धित सभी महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए।

19/09/2024

विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता सम्पन्न

आचरण संवाददाता

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलगुरू की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से हिन्दी पखवाड़ा-2024 के अंतर्गत 'भारत की भाषायी एवं सांस्कृतिक विविधता' विषय पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु आयोजित 'चित्रकला प्रतियोगिता' सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा उकेरे गए चित्रों का अवलोकन करते हुए कार्यक्रम के संयोजक संतोष सोहगौरा, संयुक्त कुलसचिव एवं हिन्दी अधिकारी (प्र.) ने कहा कि चित्रकला मनोभावों को उकेरने का सशक्त माध्यम है। किसी भी चित्रकार द्वारा बनाए गए चित्र सिर्फ कला के प्रति उसके हुनर का प्रदर्शन ही नहीं करते है बल्कि उसके चित्र रंगों के माध्यम से समाज के यथार्थ को भी अभिव्यक्ति प्रदान करते हैं। आयोजित प्रतियोगिता की समन्वयक डॉ. सुप्रभा दास, सहायक प्राध्यापक, ललित एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग ने बताया कि चित्रकला को करियर के रूप में अपनाकर न केवल अपने मनोभावों को व्यक्त किया जा सकता है बल्कि यश-कीर्ति एवं धन भी अर्जित किया जा सकता है। इस प्रतियोगिता में आरोही देसाई, संजना, अर्चिता सिंह, पुष्पराज सिंह, वैभव, मोनालिसा, भावना, सुगंधि, नीलम, अनीसा, आयुष सिंह, शिवानी, अमित कुमार ब्यौहार, गार्गी, अतुल एवं शैलेन्द्र सिंह सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के लगभग चालीस विद्यार्थियों ने उल्लास पूर्वक कैनवास में चित्र उकेरकर अपनी रचनात्मक उपस्थिति दर्ज करायी। प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को 25 सितम्बर को कुलगुरू महोदया द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए जायेंगे। इस अवसर पर राजभाषा प्रकोष्ठ से अभिषेक सक्सेना एवं विनोद रजक तथा ललित कला विभाग के शोधार्थी शालू सोनी, किरन ठकुर, नेहा गुप्ता एवं सहयोगी के रूप में अमित भदौरिया, प्रदीप सिंह एवं मनोज विश्वकर्मा भी उपस्थित रहे।

राजभाषा पखवाड़ा के संयोजक संतोष सोहगौरा, संयुक्त कुलसचिव एवं हिन्दी अधिकारी (प्र.) ने बताया कि विश्वविद्यालय में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन 14 से 25 सितम्बर, 2024 तक किया जा रहा है जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में कल विश्वविद्यालय परिसर स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 04 के विद्यार्थियों हेतु 'स्वाभिमान एवं गर्व की भाषा है हिन्दी' विषय पर हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है।

19/09/2024

विवि में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता सम्पन्न

विजय मत, सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा कुलगुरू प्रो. नीलिमा गुप्ता की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से हिन्दी पखवाड़ा-2024 के अंतर्गत 'भारत की भाषायी एवं सांस्कृतिक विविधता' विषय पर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु आयोजित 'चित्रकला प्रतियोगिता' सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा उकेरे गए चित्रों का अवलोकन करते हुए कार्यक्रम के संयोजक संतोष सोहगौरा, संयुक्त कुलसचिव एवं हिन्दी अधिकारी (प्र.) ने कहा कि चित्रकला मनोभावों को उकेरने का सशक्त माध्यम है। किसी भी चित्रकार द्वारा बनाए गए चित्र सिर्फ कला के प्रति उसके हुनर का प्रदर्शन ही नहीं करते हैं बल्कि उसके चित्र रंगों के माध्यम से समाज के यथार्थ को भी अभिव्यक्ति प्रदान करते हैं। आयोजित प्रतियोगिता की समन्वयक डॉ. सुप्रभा दास, सहायक प्राध्यापक, ललित एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग ने बताया कि चित्रकला को करियर के रूप में अपनाकर न केवल अपने मनोभावों को व्यक्त किया जा सकता है।

19/09/2024

04

हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता

(19 सितम्बर, 2024)

हिन्दी पखवाड़ा-2024 के अंतर्गत दिनांक 19 सितम्बर, 2024 को 'स्वाभिमान एवं गर्व की भाषा है हिन्दी' विषय पर विश्वविद्यालय स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक- 04 के विद्यार्थियों हेतु 'हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता' सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर विद्यार्थियों की सुंदर लिखावट एवं विषयवस्तु का अवलोकन करते हुए हिन्दी पखवाड़ा-2024 के संयोजक संतोष सोहगौरा, संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी(प्र.) ने कहा कि लिखावट व्यक्तित्व को परिलक्षित करती है। मोबाइल एवं तकनीकी के इस समय में भी कागज-कलम का ऐसा सुंदर प्रयोग हमें आश्वस्त करता है कि हिन्दी एवं भारतीय भाषाओं का भविष्य उज्ज्वल है।

प्रतियोगिता के समन्वयक एवं केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक- 04 के प्राचार्य श्री आर.एस. वर्मा ने बताया कि हमारे नौनिहाल भविष्य के भारत की नींव हैं उनमें अपनी भाषा एवं संस्कृति के प्रति गौरवान्भूति का भाव विकसित करने का उत्तरदायित्व हमारा है जिसके लिए हम निरंतर प्रयासरत हैं। प्रतियोगिता आयोजन में सहयोग प्रदान कर रहे विद्यालय के हिन्दी शिक्षक श्री योगेन्द्र त्यागी ने बताया कि प्रतियोगिता में पचास से भी अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की है। यह संख्या मातृभाषा के प्रति उनके प्रेम को प्रकट करती है।

प्रतियोगिता में प्रतिभागी के रूप में आरोही देसाई, संजना, अर्चिता सिंह, पुष्पराज सिंह, वैभव, मोनालिसा, भावना, सुगंधि, नीलम, अनीसा, आयुष सिंह, शिवानी, अमित कुमार ब्यौहार, गार्गी, अतुल एवं शैलेन्द्र सिंह सहित लगभग पचास विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर राजभाषा प्रकोष्ठ से अभिषेक सक्सेना एवं विनोद रजक भी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में कु. वेदिका दुबे ने प्रथम, श्री कार्तिक चौरसिया ने द्वितीय तथा श्री आदित्य पटेल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजयी प्रतिभागियों को 25 सितम्बर आयोजित 'पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह' में पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

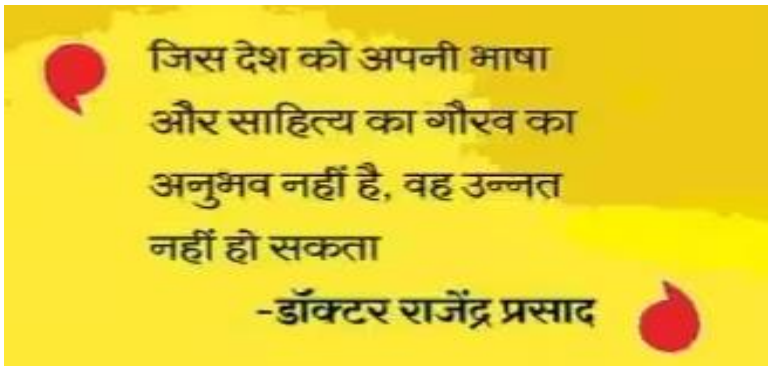

NAAC A+
Accredited University
हिन्दी दिवस समारोह -2024
हिन्दी पखवाड़ा
14-25 सितम्बर, 2024
हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता
विषय - स्वाभिमान एवं गर्व की भाषा है हिन्दी
(केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4 के विद्यार्थियों हेतु)
दिनांक - 19 सितम्बर, 2024, गुरूवार
समय - पूर्वान्ह 11.30 बजे
स्थान-केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 4
संरक्षक
मा. प्रो. नीलिमा गुप्ता
कुलगुरु
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
संयोजक
संतोष सोहगौरा
हिन्दी अधिकारी (प्र.) एवं
संयुक्त कुलसचिव
समन्वयक
आर.एस. वर्मा
प्राचार्य
केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4
आयोजक
राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

केन्द्रीय विद्यालय क्र.4 सागर
डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय
सागर
हिन्दी पखवाड़ा
दिनांक 02/09/24 से 17/09/24 तक
तुलसीदास
NAAC
हिन्दी दिवस समारोह -2024
हिन्दी पखवाड़ा
हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता

NAAC
हिन्दी दिवस समारोह -2024
हिन्दी पखवाड़ा

हिन्दी पखवाड़ा : केन्द्रीय विद्यालय में निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा हिन्दी पखवाड़ा 2024 के अंतर्गत केन्द्रीय विद्यालय क्र. 04 में हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता का विषय स्वाभिमान एवं गर्व की भाषा है हिन्दी था। प्रतियोगिता में 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें कार्तिक चौरसिया, तन्वी सूर्यवंशी, आदित्य गौतम, वेदिका दुबे, रिशांक रजक, आदित्य पटेल, तनिश नंदनवार, आर्यन विश्वकर्मा, ध्रुव यादव, रचित श्रीवास्तव एवं निहारिका शामिल रहे। कार्यक्रम के संयोजक संतोष सोहगौरा, संयुक्त कुलसचिव एवं हिन्दी अधिकारी (प्र.) ने विद्यार्थियों की लिखावट और विषयवस्तु की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में भी कागज और कलम का इतना सुंदर उपयोग देखकर यह विश्वास होता है कि हिन्दी और भारतीय भाषाओं का भविष्य उज्ज्वल है। प्रतियोगिता के समन्वयक और विद्यालय के प्राचार्य आरएस वर्मा ने कहा कि बच्चों में अपनी भाषा और संस्कृति के प्रति गर्व का भाव विकसित करना हमारा उत्तरदायित्व है और इसके लिए हम निरंतर प्रयासरत हैं। विजेता विद्यार्थियों को 25 सितम्बर को कुलगुरू प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किये जायेंगे। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक डॉ. हिमांशु कुमार, राजभाषा प्रकोष्ठ के अभिषेक सक्सेना और विनोद रजक, पुस्तकालयाध्यक्ष मनोज कुमार नेमा और अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे। हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन 14 से 25 सितम्बर तक किया जा रहा है।

20/09/2024

हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत विश्वविद्यालय स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्र.04 में हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता सम्पन्न

दैनिक प्रदेश वॉच सागर संवाददाता। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा माननीया प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलगुरू की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से हिन्दी पखवाड़ा- 2024 के अंतर्गत 'स्वाभिमान एवं गर्व की भाषा है हिन्दी' विषय पर विश्वविद्यालय स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक- 04 के विद्यार्थियों हेतु आयोजित 'हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता' सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर विद्यार्थियों की सुंदर लिखावट एवं विषयवस्तु का अवलोकन करते हुए कार्यक्रम के संयोजक संतोष सोहगौरा, संयुक्त कुलसचिव एवं हिन्दी अधिकारी (प्र.) ने कहा कि लिखावट व्यक्तित्वो को परिलक्षित करती है। मोबाइल एवं तकनीकी के इस समय में भी कागज-कलम का ऐसा सुंदर प्रयोग हमें आश्वस्त करता है कि हिन्दी एवं भारतीय भाषाओं का भविष्य उज्जवल है। प्रतियोगिता के समन्वयक एवं केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक- 04 के प्राचार्य श्री आर.एस. वर्मा ने बताया कि हमारे नौनिहाल भविष्य के भारत की नींव हैं उनमें अपनी भाषा एवं संस्कृति के प्रति गौरव का भाव विकसित करने का उत्तर दायित्व हमारा है जिसके लिए हम निरंतर प्रयासरत हैं। प्रतियोगिता आयोजन में सहयोग प्रदान कर रहे विद्यालय के हिन्दी शिक्षक श्री योगेन्द्र कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में दसवी कक्षा तक के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की है। यह संख्या मातृभाषा के प्रति उनके प्रेम

को प्रकट करती है। प्रतियोगिता में प्रतिभागी के रूप में कार्तिक चौरसिया, तन्वी सूर्यवंशी, आदित्य गौतम, वेदिका दुबे, रिशांक रजक, आदित्य पटेल, तनिश नंदनवार, आर्यन विश्वकर्मा, ध्रुव यादव, रचित श्रीवास्तव एवं निहारिका सहित 50 विद्यार्थियों ने भाग किया। प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को 25 सितम्बर को माननीय कुलगुरू महोदया द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए जायेंगे। इस अवसर पर डॉक्टर हिमांशु कुमार, सहायक प्राध्यापक, राजभाषा प्रकोष्ठ से अभिषेक सक्सेना एवं विनोद रजक तथा केन्द्रीय विद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष श्री मनोज कुमार नेमा एवम अन्य शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।ध्यातव्य है कि विश्वविद्यालय में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन 14 से 25 सितम्बर, 2024 तक किया जा रहा है जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। कार्यक्रमों की श्रृंखला में कल विश्वविद्यालय के नियमित एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों हेतु 'हिन्दी टंकण प्रतियोगिता' आयोजित की जा रही है।

20/09/2024

हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता संपन्न

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन में हिन्दी पखवाड़ा 2024 के अंतर्गत स्वाभिमान एवं गर्व की भाषा है हिन्दी विषय पर विश्वविद्यालय स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 04 के विद्यार्थियों के लिए हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों की सुंदर लिखावट एवं विषयवस्तु का अवलोकन करते हुए कार्यक्रम के संयोजक संतोष सोहगौरा, संयुक्त कुलसचिव एवं हिन्दी अधिकारी प्र. ने कहा कि लिखावट व्यक्तित्वो को परिलक्षित करती है। मोबाइल एवं तकनीकी के इस समय में भी कागज कलम का ऐसा सुंदर प्रयोग हमें आश्वस्त करता है कि हिन्दी एवं भारतीय भाषाओं का भविष्य उज्जवल है।

प्रतियोगिता के समन्वयक एवं केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 04 के प्राचार्य आरएस वर्मा ने बताया कि हमारे नौनिहाल भविष्य के भारत की नींव हैं उनमें अपनी भाषा एवं संस्कृति के प्रति गौरव का भाव विकसित करने का उत्तरदायित्व हमारा है जिसके लिए हम निरंतर प्रयासरत हैं। प्रतियोगिता आयोजन में सहयोगी विद्यालय के हिन्दी शिक्षक योगेन्द्र कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में दसवी कक्षा तक के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की है। यह सं या मातृभाषा के प्रति उनके प्रेम को प्रकट करती है। प्रतियोगिता में 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

20/09/2024

लिखावट ही व्यक्तित्व को परिलक्षित करती है : सोहगौरा

सागर @ पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के अंतर्गत केन्द्रीय विद्यालय क्रं 04 में हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता हुई। विद्यार्थियों ने सुंदर लिखावट के साथ निबंध लिखा।

संयोजक संतोष सोहगौरा ने कहा कि लिखावट व्यक्तित्व को परिलक्षित करती है। मोबाइल एवं तकनीकी के इस समय में भी कागज-कलम का ऐसा सुंदर प्रयोग हमें आश्वस्त करता है कि हिन्दी एवं भारतीय भाषाओं का भविष्य उज्ज्वल है। प्राचार्य आरएस वर्मा ने कहा कि हमारे नौनिहाल भविष्य के भारत की नींव हैं। उनमें अपनी भाषा एवं संस्कृति के प्रति गौरव का भाव विकसित करने का उत्तर दायित्व हमारा है, जिसके लिए हम निरंतर प्रयासरत हैं। शिक्षक योगेन्द्र कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में दसवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की है। यह संख्या मातृभाषा के प्रति उनके प्रेम को प्रकट करती है। इस अवसर पर डॉ. हिमांशु कुमार, अभिषेक सक्सेना एवं विनोद रजक आदि मौजूद रहे।

20/09/2024

हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता सम्पन्न

आचरण संवाददाता

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलगुरू की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से हिन्दी पखवाड़ा- 2024 के अंतर्गत 'स्वाभिमान एवं गर्व की भाषा है हिन्दी' विषय पर विश्वविद्यालय स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-04 के विद्यार्थियों हेतु आयोजित 'हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता' सफलतापूर्वक सम्पन्ने हुई। इस अवसर पर विद्यार्थियों की सुंदर लिखावट एवं विषयवस्तु का अवलोकन करते हुए कार्यक्रम के संयोजक संतोष सोहगौरा, संयुक्त कुलसचिव एवं हिन्दी अधिकारी (प्र.) ने कहा कि लिखावट व्यक्तित्वो को परिलक्षित करती है। मोबाइल एवं तकनीकी के इस समय में भी कागज-कलम का ऐसा सुंदर प्रयोग हमें आश्वस्त करता है कि हिन्दी एवं भारतीय भाषाओं का भविष्य उज्जवल है।

प्रतियोगिता के समन्वयक एवं केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक- 04 के प्राचार्य आर.एस. वर्मा ने बताया कि हमारे नौनिहाल भविष्य के भारत की नींव हैं उनमें अपनी भाषा एवं संस्कृति के प्रति गौरव का भाव विकसित करने का उत्तर दायित्व हमारा है जिसके लिए हम निरंतर प्रयासरत हैं। प्रतियोगिता आयोजन में सहयोग प्रदान कर रहे विद्यालय के हिन्दी शिक्षक योगेन्द्र कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में दसवी कक्षा तक के विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की है। यह संख्या मातृभाषा के प्रति उनके प्रेम को प्रकट करती है। प्रतियोगिता में प्रतिभागी के रूप में कार्तिक चौरसिया, तन्वी सूर्यवंशी, आदित्य गौतम, वेदिका दुबे, रिशांक रजक, आदित्य पटेल, तनिश नंदनवार, आर्यन विश्वकर्मा, ध्रुव यादव, रचित श्रीवास्तव एवं निहारिका सहित 50 विद्यार्थियों ने भाग किया। प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को 25 सितम्बर को कुलगुरू द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए जायेंगे। इस अवसर पर डॉक्टर हिमांशु कुमार, सहायक प्राध्यापक, राजभाषा प्रकोष्ठ से अभिषेक सक्सेना एवं विनोद रजक तथा केन्द्रीय विद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष मनोज कुमार नेमा एवम अन्य शिक्षकगण भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन 14 से 25 सितम्बर, 2024 तक किया जा रहा है जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। कार्यक्रमों की श्रृंखला में कल विश्वविद्यालय के नियमित एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों हेतु 'हिन्दी टंकण प्रतियोगिता' आयोजित की जा रही है।

20/09/2024

राजभाषा प्रकोष्ठ

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

NAAC A+ Accredited University

हिन्दी दिवस समारोह -2024

हिन्दी पखवाड़ा

14-25 सितम्बर, 2024

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु. **वेदिका दुबे, कक्षा 09वीं, केन्द्रीय विद्यालय क्र.4, सागर (म.प्र.)** ने राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा हिन्दी पखवाड़ा के अन्तर्गत दिनांक 19 सितम्बर, 2024 को आयोजित **'हिन्दी निबन्ध लेखन प्रतियोगिता' (विषय - स्वाभिमान एवं गर्व की भाषा है हिन्दी)** में **प्रथम स्थान** प्राप्त किया। हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

संतोष सोहगौरा
राजभाषा अधिकारी (प्र.) एवं
संयुक्त कुलसचिव

आर. एस. वर्मा
प्रतियोगिता समन्वयक एवं प्राचार्य
केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4, सागर (म.प्र.)

05

हिन्दी टंकण प्रतियोगिता

(20 सितम्बर, 2024)

हिन्दी पखवाड़ा-2024 के अंतर्गत दिनांक 20 सितम्बर, 2024 को विश्वविद्यालय के नियमित एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों हेतु प्रयोगशाला क्रमांक 05, कम्प्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग में 'हिन्दी टंकण प्रतियोगिता' आयोजित की गयी। इस अवसर पर हिन्दी पखवाड़ा के संयोजक एवं प्रभारी हिन्दी अधिकारी संतोष सोहगौरा ने बताया कि सचिवालयीन एवं प्रशासनिक कामकाज में डाटा इंट्री तथा नोटशीट व पत्र लेखन के लिए टंकण का ज्ञान बहुत आवश्यक है, यह प्रतियोगिता उसी ज्ञान एवं कौशल के प्रदर्शन का अवसर है। प्रतियोगिता के समन्वयक एवं निर्णायक कम्प्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभिषेक बंसल ने बताया कि टंकण के लिए न केवल भाषा का ज्ञान बल्कि कम्प्यूटर उपकरणों, सही फॉण्ट एवं सॉफ्टवेयर की समुचित जानकारी होना भी अतिआवश्यक है।

प्रतियोगिता में प्रतिभागी के रूप में बृजेश साहू, नीलेश लोधी, सचिन पटवा, अमित कनौजिया, शुभम साहू, कंचना पाल, श्रेया श्री चौरसिया, रितु ठाकुर, संतोष कुमार मिश्रा, दीपक मिश्रा, उमेश चढ़ार, पवन कोरी, सतीश सरल, मनोज कुमार कावड़े, राजकुमार रजक, रेवाराम पटेल एवं अभिनव सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं अनुभागों में कार्यरत तीस से भी अधिक कर्मचारियों ने प्रतिभागिता सुनिश्चित की। इस महत्वपूर्ण आयोजन में कम्प्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग के प्रयोगशाला प्रेष्य श्री नितिन चढ़ार की भूमिका सराहनीय रही। कार्यक्रम में राजभाषा प्रकोष्ठ से अभिषेक सक्सेना और विनोद रजक भी उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पीयूष चौरसिया, निम्न श्रेणी लिपिक, द्वितीय स्थान अंकित चौरसिया, निम्न श्रेणी लिपिक तथा तृतीय स्थान श्रीमती मंजू जैन, निम्न श्रेणी लिपिक ने प्राप्त किया। विजयी प्रतिभागियों को 25 सितम्बर को आयोजित 'पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह' में नकद पुरस्कार, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

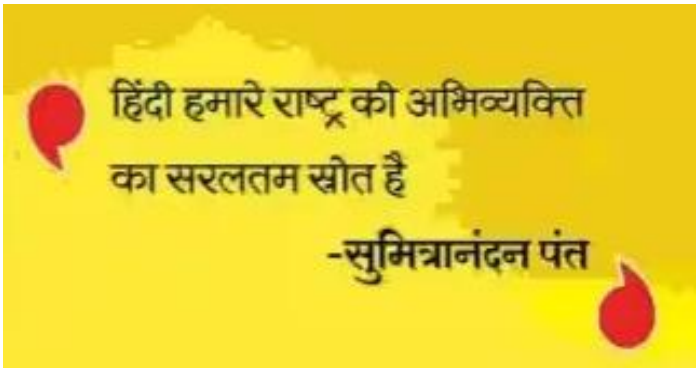

हिन्दी दिवस समारोह -2024
हिन्दी पखवाड़ा
14-25 सितम्बर, 2024
NAAC A+
Accredited University
हिन्दी टंकण प्रतियोगिता
(विश्वविद्यालय के नियमित एवं दै.वे.भो. कर्मचारियों हेतु)
दिनांक - 20 सितम्बर, 2024, शुक्रवार
समय - मध्यान्ह 12.00 बजे
स्थान-प्रयोगशाला कक्ष क्र. 5, कम्प्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग, नैनो-टेक भवन
संरक्षक
मा. प्रो. नीलिमा गुप्ता
कुलगुरु
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
संयोजक
संतोष सोहगौरा
हिन्दी अधिकारी (प्र.) एवं
संयुक्त कुलसचिव
समन्वयक
डॉ. अभिषेक बंसल
अध्यक्ष
कम्प्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग
आयोजक
राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने 'हिन्दी टंकण प्रतियोगिता' में दिखाया अपना तकनीकी कौशल

▶ सागर, संवाददाता

(प्रदेश वॉच)।

सागर. डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा माननीया कुलगुरू प्रो. नीलिमा गुप्ता, की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से हिन्दी पखवाड़ा–2024 के अंतर्गत विश्वविद्यालय के नियमित एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों हेतु कंप्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग में स्थित कंप्यूटर लैब में 'हिन्दी टंकण प्रतियोगिता' आयोजित की गयी. इस अवसर पर हिन्दी पखवाड़ा के संयोजक संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने बताया कि शासकीय नियमानुसार प्रत्येक कर्मचारी को सचिवालयीन एवं प्रशासनिक कामकाज में डाटा इंट्री तथा नोटशीट व पत्र लेखन के लिए कंप्यूटर टंकण का ज्ञान अनिवार्य है. इस प्रकार की प्रतियोगिता कर्मचारियों के तकनीकी ज्ञान एवं कौशल के प्रदर्शन का सुअवसर प्रदान करती है. प्रतियोगिता के समन्वयक एवं निर्णायक कंप्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभिषेक बंसल ने बताया कि टंकण के लिए न केवल भाषा का ज्ञान बल्कि कंप्यूटर उपकरणों, सही फॉण्ट तथा सॉफ्टवेयर की समुचित जानकारी होना भी नितांत आवश्यक है। प्रतियोगिता में प्रतिभागी के रूप में बृजेश साहू, नीलेश लोधी, सचिन पटवा, अमित कनौजिया, शुभम साहू, कंचन पाल, श्रेयाश्री चौरसिया, रितु ठाकुर, संतोष कुमार मिश्रा, दीपक मिश्रा, उमेश चढ़ार, पवन कोरी, सतीश सरल, मनोज कुमार कावड़े, राजकुमार रजक, रेवाराम पटेल एवं अभिनव सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं अनुभागों में कार्यरत 30 से भी अधिक कर्मचारियों ने प्रतिभागिता सुनिश्चित की। प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को 25 सितम्बर को आयोजित समापन कार्यक्रम में माननीया कुलगुरू प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किए जायेंगे. इस महत्वपूर्ण आयोजन में कंप्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग के प्रयोगशाला प्रेष्य श्री नितिन चढ़ार की भूमिका सराहनीय रही. कार्यक्रम में राजभाषा प्रकोष्ठ से अभिषेक सक्सेना और विनोद रजक भी उपस्थित रहे। हिंदी पखवाड़ा के संयोजक संतोष सोहगौरा ने बताया कि विश्वविद्यालय में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन 14 से 25 सितम्बर, 2024 तक किया जा रहा है जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं. कार्यक्रमों की श्रृंखला में सोमवार दिनांक 23 सितम्बर को विश्वविद्यालय के अधिकारियों हेतु 'आशुभाषण प्रतियोगिता' आयोजित की जा रही है. प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार, प्रमाण–पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए जाएंगे।

21/09/2024

कर्मचारियों के लिए कंप्यूटर टंकण का ज्ञान अनिवार्य : संतोष सोहगौरा

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा के तहत नियमित एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए 'हिन्दी टंकण प्रतियोगिता का आयोजन किया। संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने बताया कि शासकीय नियमानुसार प्रत्येक कर्मचारी को सचिवालयीन एवं प्रशासनिक कामकाज में डाटा इंट्री तथा नोटशीट व पत्र लेखन के लिए कंप्यूटर टंकण का ज्ञान अनिवार्य है। इस प्रकार की प्रतियोगिता कर्मचारियों के तकनीकी ज्ञान एवं कौशल के प्रदर्शन का सुअवसर प्रदान करती है। निर्णायक कंप्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभिषेक बंसल ने बताया कि टंकण के लिए न केवल भाषा का ज्ञान बल्कि कंप्यूटर उपकरणों, सही फांट एवं सॉफ्टवेयर की समुचित जानकारी होना भी नितांत आवश्यक है। प्रतियोगिता में बृजेश साहू, नीलेश लोधी, सचिन पटवा, अमित कनौजिया, शुभम साहू, कंचन पाल, श्रेयाश्री चौरसिया, रितु ठाकुर, संतोष कुमार मिश्रा, दीपक मिश्रा, उमेश चढ़ार, पवन कोरी, सतीश सरल, मनोज कुमार कावड़े, राजकुमार रजक, रेवाराम पटेल एवं अभिनव सहित आदि ने हिस्सा लिया।

21/09/2024

प्रतियोगिताएं कर्मचारियों को कौशल के प्रदर्शन का मौका देती हैं : सोहगौरा

विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने हिन्दी टंकण प्रतियोगिता में दिखाया कौशल

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा हिन्दी पखवाड़ा-2024 के तहत विश्वविद्यालय के नियमित एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए कंप्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग में स्थित कंप्यूटर लैब में हिन्दी टंकण प्रतियोगिता आयोजित की गई। पखवाड़ा के संयोजक संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने बताया कि शासकीय नियमानुसार प्रत्येक कर्मचारी को सचिवालयीन एवं प्रशासनिक कामकाज में डाटा इंट्री तथा नोटशीट व पत्र लेखन के लिए कंप्यूटर टंकण का ज्ञान अनिवार्य है। ऐसी प्रतियोगिताएं कर्मचारियों को तकनीकी ज्ञान एवं कौशल के प्रदर्शन का अवसर देती हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन 14 से 25 सितम्बर तक किया जा रहा है जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं आयोजित

विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लिए हिन्दी टंकण प्रतियोगिता हुई।

की जा रही हैं। कार्यक्रमों की श्रृंखला में सोमवार को विश्वविद्यालय के अधिकारियों के लिए आशु भाषण प्रतियोगिता होगी। विजयी प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार, प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिह्न दिए जाएंगे।

समन्वयक एवं निर्णायक डॉ. अभिषेक बंसल ने बताया कि टंकण के लिए न केवल भाषा का ज्ञान बल्कि कंप्यूटर उपकरणों, सही फॉंट तथा सॉफ्टवेयर की जानकारी होना भी जरूरी है। प्रतियोगिता में प्रतिभागी बृजेश साहू, नीलेश लोधी, सचिन पटवा, अमित कनौजिया, शुभम साहू, कंचन पाल, श्रेयाश्री चौरसिया, रितु ठाकुर, संतोष कुमार मिश्रा, दीपक मिश्रा, उमेश चढ़ार, पवन कोरी, सतीश सरल, मनोज कुमार कावड़े, राजकुमार रजक, रेवाराम पटेल एवं अभिनव सहित विभिन्न विभागों एवं अनुभागों में कार्यरत 30 कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को 25 सितंबर को आयोजित समापन कार्यक्रम में पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान दिए जाएंगे। कार्यक्रम में राजभाषा प्रकोष्ठ से अभिषेक सक्सेना और विनोद रजक उपस्थित थे।

21/09/2024

मध्यप्रदेश | टीकमगढ़, शनिवार 21 सितम्बर, 2024 | 10

विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने हिन्दी टंकण प्रतियोगिता में दिखाया अपना तकनीकी कौशल

दबंग बुन्देलखंड

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा माननीया कुलगुरू प्रो. नीलिमा गुप्ता की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से हिन्दी पखवाड़ा-2024 के अंतर्गत विश्वविद्यालय के नियमित एवं दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों हेतु कंप्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग में स्थित कंप्यूटर लैब में हिन्दी टंकण प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इस अवसर पर हिन्दी पखवाड़ा के संयोजक संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने बताया कि शासकीय नियमानुसार प्रत्येक कर्मचारी को सचिवालयीन एवं प्रशासनिक कामकाज में डाटा इंट्री तथा नोटशीट व पत्र लेखन के लिए कंप्यूटर टंकण का ज्ञान अनिवार्य है. इस प्रकार की प्रतियोगिता कर्मचारियों के तकनीकी ज्ञान एवं कौशल के प्रदर्शन का सुअवसर प्रदान करती है। प्रतियोगिता के समन्वयक एवं निर्णायक कंप्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग

के अध्यक्ष डॉ. अभिषेक बंसल ने बताया कि टंकण के लिए न केवल भाषा का ज्ञान बल्कि कंप्यूटर उपकरणों, सही फॉण्ट तथा सॉफ्टवेयर की समुचित जानकारी होना भी नितांत आवश्यक है। प्रतियोगिता में प्रतिभागी के रूप में बृजेश साहू, नीलेश लोधी, सचिन पटवा, अमित कनौजिया,शुभम साहू, कंचन पाल, श्रेयाश्री चौरसिया, रितु ठाकुर, संतोष कुमार मिश्रा, दीपक मिश्रा, उमेश चढ़ार,पवन कोरी, सतीश सरल,मनोज कुमार कावड़े,राजकुमार रजक,रेवाराम पटेल एवं अभिनव सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं अनुभागों में कार्यरत 30 से भी अधिक कर्मचारियों ने प्रतिभागिता सुनिश्चित की। प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को 25 सितम्बर को आयोजित समापन कार्यक्रम में माननीया कुलगुरू प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए जायेंगे। इस महत्वपूर्ण आयोजन में कंप्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग के प्रयोगशाला प्रेष्य नितिन चढ़ार की भूमिका सराहनीय रही. कार्यक्रम में राजभाषा प्रकोष्ठ से अभिषेक सक्सेना और विनोद रजक भी उपस्थित रहे।

हिंदी पखवाड़ा के संयोजक संतोष सोहगौरा ने बताया कि विश्वविद्यालय में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन 14 से 25 सितम्बर, 2024 तक किया जा रहा है। जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। कार्यक्रमों की श्रृंखला में सोमवार दिनांक 23 सितम्बर को विश्वविद्यालय के अधिकारियों हेतु आशुभाषण प्रतियोगिताह्न आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार, प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए जाएंगे।

हिन्दी टंकण प्रतियोगिता आयोजित, कर्मचारियों ने दिखाया तकनीकी कौशल

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा हिन्दी पखवाड़ा.2024 के अंतर्गत आयोजित हिन्दी टंकण प्रतियोगिता में कर्मचारियों ने अपने तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता विवि के कंप्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग की लैब में सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के नियमित और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। संयोजक संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने बताया कि सरकारी नियमों के अनुसार सभी कर्मचारियों के लिये कंप्यूटर टंकण का ज्ञान अनिवार्य है। यह प्रतियोगिता न केवल उनके तकनीकी कौशल को उभारने का माध्यम बनी, बल्कि उन्हें सरकारी कामकाज के लिये आवश्यक टंकण ज्ञान के महत्व से भी अवगत कराया। कंप्यूटर विज्ञान विभाग के अध्यक्ष और प्रतियोगिता के समन्वयक डॉ. अभिषेक बंसल ने बताया कि टंकण में दक्षता के लिये भाषा के साथ-साथ कंप्यूटर उपकरणों, फॉण्ट चयन और सॉफ्टवेयर की जानकारी भी जरूरी है। प्रतियोगिता में 30 से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया, जिनमें बृजेश साहू, नीलेश लोधी, सचिन पटवा, अमित कनौजिया, शुभम साहू, कंचन पाल, श्रेयाश्री चौरसिया जैसे प्रतिभागी शामिल थे। विजयी प्रतिभागियों को 25 सितंबर को समापन समारोह में प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। इस आयोजन में कंप्यूटर विज्ञान विभाग के प्रयोगशाला प्रेष्य नितिन चढ़ार की भूमिका सराहनीय रही।

21/09/2024

06

आशुभाषण प्रतियोगिता

(23 सितम्बर, 2024)

हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम- 2024 के अंतर्गत विश्वविद्यालय के अधिकारियों के लिए दिनांक 23 सितम्बर, 2024 को समिति कक्ष, कुलपति सचिवालय में 'आशुभाषण प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम-2024 के संयोजक तथा राजभाषा अधिकारी एवं संयुक्त कुलसचिव श्री संतोष सोहगौरा ने अपनी बात रखते हुए कहा कि किसी भी मुद्दे को लेकर तथा उससे जुड़ी कार्यान्वयन नीतियों के सफल क्रियान्वयन हेतु अधिकारियों का अभिमत एक अलग स्थान रखता है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं वास्तव में अपने विचारों को अभिव्यक्त करने का एक मंच उपलब्ध कराती हैं।

प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के वित्ताधिकारी सीएमए कुलदीपक शर्मा ने 'मन के हारे हार, मन के जीते जीत', शैक्षिक बहुमाध्यम अनुसंधान केन्द्र के निदेशक डॉ. पंकज तिवारी ने 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का क्रियान्वयन', प्रभारी परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुरेन्द्र पी. गादेवार ने 'खेलो इण्डिया', उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संजीव सर्राफ ने 'राजभाषा और राष्ट्रभाषा', उपकुलसचिव सतीश कुमार ने 'आभासी पटल का पठन-पाठन में योगदान', सीनियर सिस्टम एनालिस्ट डॉ. रूपेन्द्र जुगल चौरसिया ने 'कौशल विकास मेला', नेटवर्किंग एडमिनिस्ट्रेटर सचिन सिंह गौतम ने 'लोकतंत्र और मतदान', सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मुकेश साहू ने 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता और देश का भविष्य', वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार जैन ने 'नशा मुक्ति अभियान', सहायक कुलसचिव राजकुमार पाल ने 'मातृभाषा और देश का विकास', सहायक कुलसचिव दीपक शाक्य ने 'स्वच्छता अभियान', ईएमएमआरसी के प्रोड्यूसर माधव चंद्र ने 'विविधता में एकता' तथा विधि अधिकारी श्री बृजभूषण सिंह ने 'मेरी अविस्मरणीय यात्रा' विषय पर अपने विचार रखे। धन्यवाद ज्ञापन प्रतियोगिता के समन्वयक एवं सहायक कुलसचिव आशीष कुमार तिवारी तथा संचालन हिन्दी अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग विनोद रजक का रहा।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान विश्वविद्यालय के वित्ताधिकारी सीएमए कुलदीपक शर्मा, द्वितीय स्थान संयुक्त रूप से उपपुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संजीव सर्राफ एवं उपकुलसचिव श्री सतीश कुमार तथा तृतीय स्थान विधि अधिकारी श्री बृजभूषण सिंह ने प्राप्त किया। विजयी प्रतिभागियों को 25 सितम्बर, 2024 को रंगनाथन भवन, जवाहर लाल नेहरू पुस्तकालय में आयोजित 'पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह' में नकद पुरस्कार, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया।

NAAC A+
Accredited University
हिन्दी पखवाड़ा
14-25 सितम्बर, 2024
संरक्षक
मा. प्रो. नीलिमा गुप्ता
कुलगुरु
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
संयोजक
संतोष सोहगौरा
राजभाषा अधिकारी (प्र.) एवं
संयुक्त कुलसचिव
समन्वयक
आशीष तिवारी
सहायक कुलसचिव
राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
हिन्दी दिवस समारोह - 2024
विश्वविद्यालय के अधिकारियों के लिए आयोजित
आशुभाषण
प्रतियोगिता
23 सितम्बर 2024
पूर्वान्ह 11.30 बजे
गौर समिति कक्ष, कुलपति सचिवालय

किसी भी मुद्दे को लेकर अधिकारियों का अभिमत अलग स्थान रखता है: सोहगौरा

विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा के तहत आशुभाषण प्रतियोगिता हुई

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन में हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम-2024 के तहत विश्वविद्यालय के अधिकारियों के लिए आशुभाषण प्रतियोगिता हुई। विवि वित्ताधिकारी कुलदीपक शर्मा ने आशुभाषण के विषय मन के हारे हार, मन के जीते जीत, शैक्षिक बहु माध्यम अनुसंधान केंद्र के निदेशक डॉ. पंकज तिवारी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 का क्रियान्वयन, प्रभारी परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुरेंद्र पी गादेवार ने खेलो इंडिया, उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संजीव सराफ ने राजभाषा और राष्ट्रभाषा, उपकुलसचिव सतीश कुमार ने आभासी पटल का पठन-पाठन में योगदान, सीनियर सिस्टम एनालिस्ट डॉ. रूपेन्द्र जुगल चौरसिया ने कौशल विकास मेला, नेटवर्किंग एडमिनिस्ट्रेटर सचिन सिंह गौतम ने लोकतंत्र और मतदान, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मुकेश साहू ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और देश का भविष्य, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार जैन ने नशामुक्ति अभियान, सहायक कुलसचिव राजकुमार पाल ने मातृभाषा और देश का विकास, सहायक कुलसचिव दीपक कुमार शाक्य ने स्वच्छता अभियान, ईएमएमआरसी के प्रोड्यूसर माधव चंद्र ने विविधता में एकता तथा विधि अधिकारी बृजभूषण सिंह ने मेरी अविस्मरणीय यात्रा विषय पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के संयोजक राजभाषा अधिकारी एवं संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने कहा किसी भी मुद्दे को लेकर तथा उससे जुड़ी कार्यान्वयन नीतियों के सफल क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों का अभिमत एक अलग स्थान रखता है। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं वास्तव में अपने अंतर्मन की भावनाओं को व्यक्त करने का एक मंच उपलब्ध कराती हैं। आभार प्रतियोगिता के समन्वयक सहायक कुलसचिव आशीष कुमार तिवारी ने माना। संचालन हिन्दी अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया। सहयोग विनोद रजक का रहा।

25/09/2024

विवि में हिन्दी पखवाड़ा के तहत हुआ आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत डॉ. हरिसिंह गौर विवि में आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

आयोजन में वित्ताधिकारी सीएमए कुलदीपक शर्मा ने मन के हारे हार, मन के जीते जीत विषय पर, डॉ. पंकज तिवारी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का क्रियान्वयन, डॉ. सुरेन्द्र पी गादेवार ने खेलो इंडिया, डॉ. संजीव सर्राफ ने राजभाषा और राष्ट्रभाषा, सतीश कुमार ने आभासी पटल का पठन-पाठन में योगदान, डॉ. रुपेन्द्र जुगल चौरसिया ने कौशल विकास मेला, सचिन सिंह गौतम ने लोकतंत्र और मतदान आदि विषय पर अपने विचार रखे।

इस अवसर पर संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं वास्तव में अपने अंतर्मन की भावनाओं को व्यक्त करने का एक मंच उपलब्ध कराती हैं। प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा 25 सितंबर को प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी। वहीं कार्यक्रमों की श्रृंखला में बुधवार को विवि के सभी निम्न श्रेणी लिपिकों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

24/09/2024

हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत आशुभाषण प्रतियोगिता संपन्न

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम 2024 के अंतर्गत अधिकारियों के लिये आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। गौर समिति कक्ष, नवीन प्रशासनिक भवन में आयोजित इस प्रतियोगिता में विवि के अधिकारियों ने समसामयिक मुद्दों पर अपने विचार बेबाकी से प्रस्तुत किये। प्रतियोगिता में कुल 13 अधिकारियों ने भाग लिया, जिसमें वित्ताधिकारी सीएमए कुलदीपक शर्मा, डॉ. पंकज तिवारी, डॉ. सुरेन्द्र पी गादेवार, डॉ. संजीव सर्राफ, सतीश कुमार, डॉ. रूपेन्द्र जुगल चौरसिया, सचिन सिंह गौतम, डॉ. मुकेश साहू, डॉ. अभिषेक कुमार जैन, राजकुमार पाल, दीपक कुमार शाक्य, माधव चंद्र और बृजभूषण सिंह ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे। राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने इस प्रतियोगिता के महत्व को रेखांकित करते हुये कहा कि इस तरह की प्रतियोगितायें अधिकारियों को अपने विचारों को साझा करने और नीतियों के क्रियान्वयन में योगदान करने का अवसर प्रदान करती हैं। प्रतियोगिता का संचालन अभिषेक सक्सेना ने किया और धन्यवाद ज्ञापन सहायक कुलसचिव आशीष कुमार तिवारी ने दिया। विजेताओं की घोषणा 25 सितंबर को पुरस्कार वितरण समारोह में की जायेगी, जहां कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा विजेताओं को नकद पुरस्कार, स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र प्रदान किये जायेंगे।

24/09/2024

07

'टिप्पण, प्रारूपण एवं कार्यालयीन पत्राचार' विषय पर हिन्दी कार्यशाला

(24 सितम्बर, 2024)

हिन्दी पखवड़ा-2024 के अंतर्गत विश्वविद्यालय के समस्त सहायकों एवं लिपिकों हेतु **'टिप्पण, प्रारूपण एवं कार्यालयीन पत्राचार'** विषय पर हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के विषय-विशेषज्ञ एवं पखवाड़ा कार्यक्रम के संयोजक विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा ने प्रतिभागियों को राजभाषा के नियमों, कार्यालयीन कामकाज में प्रयोग की जाने वाली शब्दावली, पत्रों के विभिन्न प्रकार, नोटशीट तैयार करने जैसे कार्यालयीन कामकाज में उपयोगी प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर विस्तार से चर्चा की। अपने वक्तव्य में उन्होंने बताया कि किसी भी प्रस्ताव पर निर्णय इस बात पर भी निर्भर करता है कि उसे संबंधित सहायक एवं लिपिक द्वारा विश्वविद्यालय हित को ध्यान में रखते हुए संबंधित प्रकरण को नियमानुसार नोटशीट पर किस रूप में प्रस्तुत किया गया है। अपने वक्तव्य को रोचक एवं संवादात्मक बनाते हुए उन्होंने प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का दैनन्दिन कार्यालयीन कामकाज से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से निराकरण किया। कार्यशाला में प्रतिभागियों के लिए शब्दावली पर आधारित प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई।

कार्यशाला में शुभम साहू, अनस खान, अमन जैन, निशांत सोनी, आदित्य बरमैया, अमित कनौजिया, ब्रजेश साहू, श्रीमती मंजु जैन, श्रेयाश्री चौरसिया, रितु ठाकुर, अभिनव अग्निहोत्री, सचिन पटवा, अंकित जैन, प्रभांशु तिवारी, आकाश दुबे, प्रवीण साहू, ओम सैनी, आदित्य तिवारी, आयुष सोनी एवं साकेत दुबे सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं अनुभागों में कार्यरत 20 से अधिक सहायक एवं लिपिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ के अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया विशेष सहयोग विनोद रजक एवं सूचना वैज्ञानिक दयानंदप्पा कोरी का रहा। कार्यशाला के प्रतिभागिता प्रमाण-पत्रों का वितरण 25 सितम्बर, 2024 को रंगनाथन भवन, केन्द्रीय पुस्तकालय में आयोजित 'पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह' में किया गया।

NAAC A+
Accredited University
हिन्दी पखवाड़ा
14-25 सितम्बर, 2024
संरक्षक
मा. प्रो. नीलिमा गुप्ता
कुलगुरु
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
24 सितम्बर 2024 | पूर्वान्ह 11.30 बजे
रंगनाथन भवन, जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय
हिन्दी दिवस समारोह - 2024
कार्यशाला
टिप्पण, प्रारूपण एवं
कार्यालयीन पत्राचार
विश्वविद्यालय के समस्त निम्न श्रेणी लिपिकों हेतु
कार्यशाला समन्वयक
संतोष सोहगौरा
राजभाषा अधिकारी (प्र.) एवं
संयुक्त कुलसचिव
राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

हिन्दी दिवस समारोह - 2024
कार्यशाला
टिप्पण, प्रारूपण एवं
कार्यालयीन पत्राचार
विश्वविद्यालय के समस्त निम्न श्रेणी लिपिकों हेतु

हिन्दी दिवस समारोह - 2024
कार्यशाला
टिप्पण, प्रारूपण एवं
कार्यालयीन पत्राचार
विश्वविद्यालय के समस्त निम्न श्रेणी लिपिकों हेतु

कार्यक्रम

कार्यशाला में प्रतिभागियों के लिए शब्दावली पर आधारित प्रश्नोत्तरी की गई आयोजित, 20 से अधिक सहायक एवं लिपिक ने लिया भाग

विवि में हिन्दी पखवाड़ा के तहत कार्यालयीन टीप एवं पत्र लेखन विषय पर कार्यशाला संपन्न

● सागर/ आसपास

विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाड़ा 2024 के अंतर्गत विश्वविद्यालय के समस्त सहायकों एवं लिपिकों के लिए टिप्पण, प्रारूपण एवं कार्यालयीन पत्राचार विषय पर हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई।

विस्तार से चर्चा की

कार्यशाला के विषय विशेषज्ञ एवं पखवाड़ा कार्यक्रम के संयोजक विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने प्रतिभागियों को राजभाषा के नियमों, कार्यालयीन कामकाज में प्रयोग की जाने वाली शब्दावली, पत्रों के विभिन्न प्रकार, नोटशीट तैयार करने जैसे कार्यालयीन कामकाज में उपयोगी प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर विस्तार से चर्चा की। अपने वक्तव्य में उन्होंने बताया कि किसी भी प्रस्ताव पर निर्णय इस बात पर भी निर्भर करता है कि उसे संबंधित सहायक एवं लिपिक द्वारा विश्वविद्यालय हित को ध्यान में रखते हुए संबंधित प्रकरण को नियमानुसार नोटशीट पर किस रूप में प्रस्तुत किया गया है। अपने वक्तव्य को रोचक एवं संवादात्मक बनाते हुए उन्होंने प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का दैनन्दिन कार्यालयीन कामकाज से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से निराकरण किया। कार्यशाला में प्रतिभागियों के लिए शब्दावली पर आधारित प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई। कार्यशाला में शुभम साहू, अनस खान, अमन जैन, निशांत सोनी, आदित्य बरमैया, अमित कनौजिया, ब्रजेश साहू, मंजु जैन, श्रेयाश्री चौरसिया, रितु ठाकुर, अभिनव अग्निहोत्री, सचिन पटवा, अंकित जैन, प्रभांशु तिवारी, आकाश दुबे, प्रवीण साहू, ओम सैनी, आदित्य तिवारी, आयुष सोनी एवं साकेत दुबे सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं अनुभागों में कार्यरत 20 से अधिक सहायक एवं लिपिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ के अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया विशेष सहयोग विनोद रजक एवं सूचना वैज्ञानिक दयानंदप्पा कोरी का रहा।

कार्यशाला के प्रतिभागिता प्रमाण पत्र का वितरण तथा हिन्दी पखवाड़ा 2024 के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा 25 सितम्बर को अपराह्न 01.45 बजे से रंगनाथन भवन, केन्द्रीय पुस्तकालय में आयोजित पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह में की जायेगी जिसमें विजयी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की कुलपति एवं मुख्य अतिथि द्वारा नकद पुरस्कार, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जायेगा। समापन समारोह में विश्वविद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों को आमंत्रित किया गया है।

25/09/2024

निर्णय इस बात पर निर्भर कि प्रस्ताव किस रूप में पेश किया गया: सोहगौरा

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा हिंदी पखवाड़ा-2024 के तहत विश्वविद्यालय के सहायकों एवं लिपिकों के लिए टिप्पण, प्रारूपण एवं कार्यालयीन पत्राचार विषय पर हिंदी कार्यशाला की गई। कार्यशाला के विषय-विशेषज्ञ एवं पखवाड़ा कार्यक्रम के संयोजक संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने प्रतिभागियों को राजभाषा के नियमों, कार्यालयीन कामकाज में प्रयोग की जाने वाली शब्दावली, पत्रों के विभिन्न प्रकार, नोटशीट तैयार करने जैसे कार्यालयीन कामकाज में उपयोगी प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा किसी भी प्रस्ताव पर निर्णय इस बात पर भी निर्भर करता है कि उसे संबंधित सहायक एवं लिपिक द्वारा विश्वविद्यालय हित को ध्यान में रखते हुए संबंधित प्रकरण को नियमानुसार नोटशीट पर किस रूप में प्रस्तुत किया गया है। कार्यशाला में प्रतिभागियों के लिए शब्दावली पर आधारित प्रश्नोत्तरी भी की गई। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं अनुभागों में कार्यरत 20 से अधिक सहायक एवं लिपिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यशाला के प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र का वितरण तथा हिंदी पखवाड़ा के तहत हुई प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा बुधवार को दोपहर 1.45 बजे से रंगनाथन भवन, केंद्रीय पुस्तकालय में पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह में की जाएगी। विजयी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की कुलपति एवं मुख्य अतिथि द्वारा नकद पुरस्कार, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया जाएगा। समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी। मुख्य अतिथि शिक्षाविद एवं समाजसेवी शोभा पैठणकर होंगी।

26/09/2024

आयोजन

विश्वविद्यालय की उत्तरोत्तर प्रगति में लिपिक ....

संवर्गीय कर्मचारियों का योगदान भी अहम: सोहगौरा

सागर, आचरण संवाददाता।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाड़ा-2024 के अंतर्गत विश्वविद्यालय के समस्त सहायकों एवं लिपिकों हेतु 'टिप्पण, प्रारूपण एवं कार्यालयीन पत्राचार' विषय पर हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के विषय-विशेषज्ञ एवं पखवाड़ा कार्यक्रम के संयोजक विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने प्रतिभागियों को राजभाषा के नियमों, कार्यालयीन कामकाज में प्रयोग की जाने वाली शब्दावली, पत्रों के विभिन्न प्रकार, नोटशीट तैयार करने जैसे कार्यालयीन कामकाज में उपयोगी प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर विस्तार से चर्चा की। अपने वक्तव्य में उन्होंने बताया कि किसी भी प्रस्ताव पर निर्णय इस बात पर भी निर्भर करता है कि उसे संबंधित सहायक एवं लिपिक द्वारा विश्वविद्यालय हित को ध्यान में रखते हुए संबंधित प्रकरण को नियमानुसार नोटशीट पर किस रूप में प्रस्तुत किया गया है। अपने वक्तव्य को रोचक एवं संवादात्मक बनाते हुए उन्होंने प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का दैनन्दिन कार्यालयीन कामकाज से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से निराकरण किया। कार्यशाला में प्रतिभागियों के लिए शब्दावली पर आधारित प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई।

कार्यशाला में शुभम साहू, अनस खान, अमन जैन, निशांत सोनी, आदित्य बरमैया, अमित कनौजिया, ब्रजेश साहू, श्रीमती मंजु जैन, श्रेयाश्री चौरसिया, रितु ठाकुर, अभिनव अग्निहोत्री, सचिन पटवा, अंकित जैन, प्रभांशु तिवारी, आकाश दुबे, प्रवीण साहू, ओम सैनी, आदित्य तिवारी, आयुष सोनी एवं साकेत दुबे सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं अनुभागों में कार्यरत 20 से अधिक सहायक एवं लिपिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ के अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया विशेष सहयोग विनोद रजक एवं सूचना वैज्ञानिक दयानंदप्पा कोरी का रहा। कार्यशाला के प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र का वितरण तथा हिन्दी पखवाड़ा- 2024 के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा 25 सितम्बर, 2024 को अपराह्न 01:45 बजे से रंगनाथन भवन, केन्द्रीय पुस्तकालय में आयोजित पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह में की जायेगी जिसमें विजयी प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की कुलपति एवं मुख्य अतिथि द्वारा नकद पुरस्कार, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया जायेगा। राजभाषा अधिकारी ने बताया कि समापन समारोह की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी तथा मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध शिक्षाविद् एवं समाजसेवी सुश्री शोभा पैठणकर उपस्थित रहेंगी। समापन समारोह में विश्वविद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों को आमंत्रित किया गया है।

25/09/2024

'किसी भी प्रस्ताव के निर्णय में नियमानुसार नोटशीट का महत्व'

सागर @ पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर विवि में आयोजित हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत विश्वविद्यालय के सभी सहायकों एवं लिपिकों के लिए टिप्पण, प्रारूपण एवं कार्यालयीन पत्राचार विषय पर कार्यशाला हुई। संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने कहा कि किसी भी प्रस्ताव पर निर्णय इस बात पर भी निर्भर करता है कि उसे संबंधित सहायक एवं लिपिक ने संबंधित प्रकरण को नियमानुसार नोटशीट पर किस रूप में प्रस्तुत किया है। उन्होंने प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का दैनन्दिन कार्यालयीन कामकाजं से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से निराकरण किया। कार्यशाला में प्रतिभागियों के लिए शब्दावली पर आधारित प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई। कार्यशाला में शुभम साहू, अनस खान, अमन जैन, निशांत सोनी, आदित्य बरमैया, अमित कनौजिया, ब्रजेश साहू, मंजु जैन, श्रेयाश्री चौरसिया, रितु ठाकुर, अभिनव अग्निहोत्री, सचिन पटवा, अंकित जैन, प्रभांशु तिवारी, आकाश दुबे, प्रवीण साहू, ओम सैनी, आदित्य तिवारी, आयुष सोनी एवं साकेत दुबे आदि ने भाग लिया।

25/09/2024

हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत कार्यालयीन टीप एवं पत्र लेखन विषय पर कार्यशाला संपन्न

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित हिन्दी पखवाड़ा 2024 के अंतर्गत विवि के समस्त सहायकों एवं लिपिकों हेतु टिप्पण, प्रारूपण एवं कार्यालयीन पत्राचार विषय पर हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला के विषय विशेषज्ञ एवं पखवाड़ा कार्यक्रम के संयोजक विवि के संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने प्रतिभागियों को राजभाषा के नियमों, कार्यालयीन कामकाज में प्रयोग की जाने वाली शब्दावली, पत्रों के विभिन्न प्रकार, नोटशीट तैयार करने जैसे कार्यालयीन कामकाज में उपयोगी प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रस्ताव पर निर्णय इस बात पर भी निर्भर करता है कि उसे संबंधित सहायक एवं लिपिक द्वारा विविहित को ध्यान में रखते हुये संबंधित प्रकरण को नियमानुसार नोट शीट पर किस रूप में प्रस्तुत किया गया है। अपने वक्तव्य को रोचक एवं संवादात्मक बनाते हुये उन्होंने प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का दैनन्दिन कार्यालयीन कामकाज से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से निराकरण किया। कार्यशाला में प्रतिभागियों के लिए शब्दावली पर आधारित प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई। कार्यशाला में शुभम साहू, अनस खान, अमन जैन, निशांत सोनी, आदित्य बरमैया, अमित कनौजिया, ब्रजेश साहू, मंजु जैन, श्रेयाश्री चौरसिया, रितु ठाकुर, अभिनव अग्निहोत्री, सचिन पटवा, अंकित जैन, प्रभांशु तिवारी, आकाश दुबे, प्रवीण साहू, ओम सैनी, आदित्य तिवारी, आयुष सोनी एवं साकेत दुबे सहित विवि के विभिन्न विभागों एवं अनुभागों में कार्यरत 20 से अधिक सहायक एवं लिपिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन राजभाषा प्रकोष्ठ के अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया विशेष सहयोग विनोद रजक एवं सूचना वैज्ञानिक दयानंदप्पा कोरी का रहा। कार्यशाला के प्रतिभागिता प्रमाण पत्र का वितरण तथा हिन्दी पखवाड़ा 2024 के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा 25 सितम्बर को अपराह्न 01. 45 बजे से रंगनाथन भवन केन्द्रीय पुस्तकालय में आयोजित पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह में की जायेगी। जिसमें विजयी प्रतिभागियों को कुलपति एवं मुख्य अतिथि द्वारा नकद पुरस्कार, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जायेगा। राजभाषा अधिकारी ने बताया कि समापन समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी तथा मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध शिक्षाविद् एवं समाजसेवी शोभा पैठणकर उपस्थित रहेंगी।

25/09/2024

08

पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह

(25 सितम्बर, 2024)

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ के तत्त्वावधान में विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा- 2024 का 'पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह' विश्वविद्यालय के रंगनाथन भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध शिक्षाविद् एवं सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री शोभा पैठणकर थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। इस अवसर पर हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. आनंदप्रकाश त्रिपाठी, प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय एवं संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा मंचासीन थे।

कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य देते हुए संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी संतोष सोहगौरा ने कहा कि हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं और वह दिन दूर नहीं जब हिंदी न केवल राष्ट्रभाषा बल्कि संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा बनेगी। उन्होंने बताया कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से विश्व ने योग के महत्व को समझा और आज योग दिवस के रूप में सम्पूर्ण विश्व में आनंदपूर्वक मनाया जा रहा है। इसीलिए हमें विश्वास है कि शीघ्र ही हिन्दी को भी अतंर्राष्ट्रीय मंचों पर भी गरिमामय स्थान मिलेगा और वह संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा के रूप में भी प्रतिष्ठित होगी। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने हिंदी पखवाड़ा में हुए विभिन्न गतिविधियों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि पखवाड़े के दौरान केन्द्रीय विद्यालय के बच्चों से लेकर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों अधिकारियों एवं कर्मचारियों सभी के लिए कार्यक्रम आयोजित किए गए। उन्होंने बताया कि माननीया कुलगुरू प्रो. नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन से पखवाड़े के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद राशि, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए जाते हैं। कार्यक्रम में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा निर्मित वृत्त चित्र का प्रदर्शन भी किया गया। अतिथियों द्वारा राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा प्रकाशित राजभाषा उन्नयन की वार्षिक पत्रिका 'भाषा-भारती' के दसवें अंक का विमोचन किया गया।

समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित विश्वविद्यालय के हिन्दी एवं संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय में हिंदी क्लब की गतिविधियों एवं आगामी रणनीतियों की चर्चा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग ने भी हिन्दी पखवाड़ा आयोजित किया जिसमें विद्यार्थियों ने अभूतपूर्व ढंग से सहभागिता की। उन्होंने कहा कि हिन्दी को व्यापकता प्रदान करने में गैर हिन्दी भाषियों की भी काफी महत्त्वपूर्ण भूमिका है। हिन्दी क्लब द्वारा ऐसे पाठ्यक्रमों का सृजन किया जा रहा है जिससे सभी भाषा-भाषी एक मंच पर आ सकें और भाषाई एकात्मता विकसित हो सके।

हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए लक्ष्य के साथ कार्य करने की आवश्यकता- सुश्री शोभा पैठणकर

मुख्य अतिथि सुश्री शोभा पैठणकर ने हिन्दी पखवाड़ा के आयोजन के बारे कहा कि यह एक सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी आयोजन है। उन्होंने कहा कि आज हमें यह चिंतन करना चाहिए कि हिंदी राजभाषा से राष्ट्रभाषा क्यों नहीं बन पाई। यह तभी संभव है जब निर्धारित लक्ष्य के साथ कार्य किया जाए। सरकार इस दिशा में अपने प्रयास तो कर रही है लेकिन इसमें नागरिक समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। समाज में मानस परिवर्तन से ही हिन्दी को राष्ट्रभाषा के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित किया जा सकता है। हिन्दी अति समृद्ध भाषा है और इसमें रोजगार की असीम संभावनाएं हैं। राजभाषा नीति के उद्देश्यों के क्रियान्वयन और लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक विभाग को एक लक्ष्य के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से मातृभाषा और भारतीय ज्ञान परंपरा पर काफी महत्त्व दिया जा रहा है। इस प्रयास से निश्चित ही हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनने का मार्ग प्रशस्त होगा।

विश्वविद्यालय: जनसमर्थन से बनेगी हिंदी अंतर्राष्ट्रीय भाषा- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

समारोह की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी के प्रचार-प्रसार और बढ़ावा देने के लिए त्वरित गति से प्रयास किये जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा में आयोजित विविध गतिविधियों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के उद्देश्यों से प्रेरणा लेते हुए हम सभी कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें आज हिंदी की स्थिति पर चर्चा करते हुए इसके व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए जिससे यह संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा बन सके। आज दुनिया के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी का पठन-पाठन हो रहा है। इसमें रोजगार के भी भरपूर अवसर हैं। आज आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का युग है। आज कम्प्यूटर बेस्ड हिन्दी टाइपिंग हो रही है। विश्वविद्यालय में हिन्दी क्लब की स्थापना की गई है जिसका उद्देश्य हिन्दीतर भाषी विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा से जोड़ना है और साथ ही उनकी मातृभाषाओं को अन्य भाषा-भाषियों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि हिन्दी को आगे ले जाने की भावना ही हिन्दी को आगे बढ़ाएगी। हिन्दी जन-जन की भाषा बने यही हमारा उद्देश्य होना चाहिए। हिन्दी पखवाड़ा- 2024 के दौरान आयोजित गतिविधियों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह आयोजन सही मायनों में सर्वस्पर्शी एवं समावेशी था। हिन्दी पखवाड़ा के आयोजक राजभाषा अधिकारी श्री संतोष सोहगौरा और राजभाषा प्रकोष्ठ के कर्मचारियों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि राजभाषा की प्रगति की दिशा में विश्वविद्यालय में किए जा रहे कार्यों का अनुसरण अन्य संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों में किए जाने की अनुशंसा शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भी की जा रही है जोकि हमारे लिए बहुत ही गौरव का विषय है।

कार्यक्रम का संचालन अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया। कार्यक्रम में हिन्दी पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों के विजेता प्रतिभागियों, जिनमें विश्वविद्यालय परिसर स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक- 04 के विद्यार्थीगण, विश्वविद्यालय के अधिकारीगण, कर्मचारीगण, प्रयोगशाला सहायक, प्रयोगशाला प्रेष्य आदि सम्मिलित हैं, को उनके प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र नकद पुरस्कार, प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों के समन्वयकों/निर्णायकों को उनके सहयोग हेतु मंच से सम्मानित किया गया। आभार ज्ञापन विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर वित्ताधिकारी कुलदीपक शर्मा, प्रो. अशोक अहिरवार, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. चंदा बेन, डॉ. एस. पी. गादेवार, डॉ. पंकज तिवारी, उपकुलसचिव सतीश कुमार, विधि अधिकारी बृजभूषण सिंह, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. आशुतोष, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. महेंद्र, डॉ. आयुष गुप्ता, डॉ. सुप्रभा दास, डॉ. विवेक जायसवाल, श्रीमती ए.लक्ष्मी, सहायक कुलसचिव राजकुमार पाल एवं आशीष कुमार तिवारी, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ से रूपेन्द्र चौरसिया, सचिन सिंह एवं मयंक, ईएमएमआरसी से डॉ. पंकज तिवारी एवं माधव चंद्रा, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मुकेश साहू, केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 04 से आर.एस. वर्मा, प्राचार्य, योगेन्द्र कुमार एवं मनोज नेमा, डॉ. उदय श्रीवास्तव एवं डॉ. अशोक सैनी सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षकगण, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

हिन्दी दिवस समारोह -2024
हिन्दी पखवाड़ा
पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह
NAAC

हिन्दी दिवस समारोह -2024
हिन्दी पखवाड़ा
पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह
NAAC

हिन्दी दिवस समारोह- 2024
हिन्दी पखवाड़ा

पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह

डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा का हुआ समापन

मानस परिवर्तन से हिंदी को बनाया जा सकता है अंतरराष्ट्रीय भाषा: शोभा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विवि के राजभाषा प्रकोष्ठ के तत्त्वाधान में आयोजित हिंदी पखवाड़ा का समापन बुधवार को हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता शोभा पैठणकर ने कहा कि आज हमें यह चिंतन करना चाहिए कि हिंदी राजभाषा से राष्ट्रभाषा क्यों नहीं बन पाई? यह तभी संभव है, जब निर्धारित लक्ष्य के साथ कार्य किया जाए।

सरकार इस दिशा में अपने प्रयास तो कर रही है, लेकिन इसमें समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। समाज में मानस परिवर्तन से ही हिन्दी को राष्ट्रभाषा के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित किया जा सकता है। हिन्दी अति समृद्ध भाषा है और इसमें रोजगार की असीम संभावनाएं हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता कहा कि हमें आज हिंदी के व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए, जिससे यह संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा बन सके। आज दुनिया के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी का पठन-पाठन हो रहा है। इसमें रोजगार के भी भरपूर अवसर हैं। संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब हिंदी न केवल राष्ट्रभाषा बल्कि संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा बनेगी। प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी ने कहा हिन्दी को व्यापकता प्रदान करने में गैर हिन्दी भाषियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। संचालन अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किय। इस अवसर पर वित्ताधिकारी कुलदीपक शर्मा, प्रो. अशोक अहिरवार, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. चंदा बेन, डॉ. एसपी गादेवार, डॉ. पंकज तिवारी सहित विवि के शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

26/09/2024

जनसमर्थन से बनेगी हिंदी अंतरराष्ट्रीय भाषा : कुलपति

सागर(एसबीन्यूज)। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ के तत्त्वावधान में विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के रंगनाथन भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शिक्षा विद एवं प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री शोभा पैठणकर थीं. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। इस अवसर पर हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय एवं संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी हिंदी अधिकारी संतोष सोहगौरा मंचासीन थे।

कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य देते हुए संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने कहा कि हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं और वह दिन दूर नहीं जब हिंदी न केवल राष्ट्रभाषा बल्कि संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा बनेगी। उन्होंने हिंदी पखवाड़ा में हुए विभिन्न गतिविधियों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. इस दौरान राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा निर्मित वृत्त चित्र का प्रदर्शन भी किया गया. अतिथियों द्वारा राजभाषा प्रकोष्ठ की पत्रिका 'भाषा-भारती' का विमोचन किया गया।

अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी के प्रचार-प्रसार और बढ़ावा देने के लिए त्वरित गति से प्रयास किये जा रहे हैं. विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा में आयोजित विविध गतिविधियों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के उद्देश्यों से प्रेरणा लेते हुए हम सभी कार्य कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि हमें आज हिंदी की स्थिति पर चर्चा करते हुए इसके व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए जिससे यह संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा बन सके. आज दुनिया के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी का पठन-पाठन हो रहा है. इसमें रोजगार के भी भरपूर अवसर हैं. आज आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का युग है. आज कम्प्यूटर वेस्ड हिन्दी टाइपिंग हो रही है. विश्वविद्यालय में हिन्दी क्लब की स्थापना की गई है जिसका उद्देश्य हिन्दी भाषी विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा से जोड़ना है और साथ ही उनकी मातृभाषाओं को अन्य भाषा-भाषियों से जोड़ना है. उन्होंने कहा कि हिन्दी को आगे ले जाने की भावना ही हिन्दी को आगे बढ़ाएगी. हिन्दी जन-जन की भाषा बने यही हमारा उद्देश्य होना चाहिए।

मुख्य अतिथि सुश्री शोभा पैठणकर ने हिन्दी पखवाड़ा के आयोजन के बारे कहा कि यह एक सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी आयोजन है. उन्होंने कहा कि आज हमें यह चिंतन करना चाहिए कि हिंदी राजभाषा से राष्ट्रभाषा क्यों नहीं बन पाई. यह तभी संभव है जब निर्धारित लक्ष्य के साथ कार्य किया जाए. सरकार इस दिशा में अपने प्रयास तो कर रही है लेकिन इसमें नागरिक समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है. समाज में मानस परिवर्तन से ही हिन्दी को राष्ट्रभाषा के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित किया जा सकता है. हिन्दी अति समृद्ध भाषा है और इसमें रोजगार की असीम संभावनाएं हैं. राजभाषा नीति के उद्देश्यों के क्रियान्वयन और लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक विभाग को एक लक्ष्य के साथ कार्य करने की आवश्यकता है. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से मातृभाषा और भारतीय ज्ञान परंपरा पर काफी महत्व दिया जा रहा है. इस प्रयास से निश्चित ही हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनने का मार्ग प्रशस्त होगा.।

26/09/2024

हिंदी पखवाड़ा • समापन समारोह में प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया

दुनिया के कई विश्वविद्यालयों में हिंदी का पठन-पाठन हो रहा, रोजगार के भी अवसर हैं: कुलपति

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के रंगनाथन भवन में हुआ।

प्रभारी हिंदी अधिकारी संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने कहा हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं और वह दिन दूर नहीं जब हिंदी न केवल राष्ट्रभाषा बल्कि संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा बनेगी। अतिथियों ने राजभाषा प्रकोष्ठ की पत्रिका 'भाषा-भारती' का विमोचन किया। अध्यक्षता कर रहीं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी के प्रचार-प्रसार और बढ़ावा देने के लिए त्वरित गति से प्रयास किए जा रहे हैं। हमें आज हिंदी की स्थिति पर चर्चा करते हुए इसके व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए, जिससे यह संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा बन सके। आज दुनिया के कई विश्वविद्यालयों में हिंदी का पठन-पाठन हो रहा है। इसमें रोजगार के भी भरपूर अवसर हैं। आज आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का युग है। आज कम्प्यूटर वेस्ड हिन्दी टाईपिंग हो रही है। विश्वविद्यालय में हिन्दी क्लब की स्थापना की गई है जिसका उद्देश्य हिन्दी भाषी विद्यार्थियों को हिंदी भाषा से जोड़ना है और साथ ही उनकी मातृभाषाओं को अन्य भाषा-भाषियों से जोड़ना है। मुख्य अतिथि शोभा पैठणकर ने कहा आज हमें यह चिंतन करना चाहिए कि हिंदी राजभाषा से राष्ट्रभाषा क्यों नहीं बन पाई? यह तभी संभव है जब निर्धारित लक्ष्य के साथ कार्य किया जाए। सरकार इस दिशा में अपने प्रयास तो कर रही है लेकिन इसमें नागरिक समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा हिन्दी को व्यापकता प्रदान करने में गैर हिन्दी भाषियों की भी काफी महत्वपूर्ण भूमिका है। संचालन अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया।

26/09/2024

आयोजन

डा. हरीसिंह गौर विवि के रंगनाथन भवन में हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम

हिंदी जन-जन की भाषा बने, यही हमारा उद्देश्य होना चाहिए : प्रो. नीलिमा

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर: डा. हरीसिंह गौर विवि के रंगनाथन भवन में हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शिक्षा विद एवं सामाजिक कार्यकर्ता शोभा पैठणकर थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। इस अवसर पर हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी, प्रभारी कुलसचिव डा. एसपी उपाध्याय एवं संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी हिंदी अधिकारी संतोष सोहगौरा मंचासीन थे। अध्यक्षता करते हुए कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विवि द्वारा हिंदी के प्रचार-प्रसार और बढ़ावा देने के लिए त्वरित गति से प्रयास किये जा रहे हैं। आज दुनिया के कई विश्वविद्यालयों में हिंदी का पठन-पाठन हो रहा है, इसमें रोजगार के भी भरपूर अवसर हैं। आज आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का युग है। आज कम्प्यूटर बेस्ड हिंदी टाइपिंग हो रही है। विवि में हिंदी क्लब की स्थापना की गई है, जिसका उद्देश्य हिंदी भाषी विद्यार्थियों को हिंदी भाषा से जोड़ना है और साथ ही उनकी मातृभाषाओं को अन्य भाषा-भाषियों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि हिंदी को आगे ले जाने की भावना ही हिंदी को आगे बढ़ाएगी। हिंदी जन-जन की भाषा बने, यही हमारा उद्देश्य होना चाहिए। कार्यक्रम में संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने कहा कि हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं और वह दिन दूर नहीं जब हिंदी न केवल राष्ट्रभाषा बल्कि संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा बनेगी। इस दौरान राजभाषा विभाग द्वारा निर्मित वृत्त चित्र का प्रदर्शन भी किया गया। अतिथियों द्वारा राजभाषा प्रकोष्ठ की पत्रिका भाषा-भारती का विमोचन किया गया।

हिंदी पखवाड़े के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते अतिथि। ● नवदुनिया

लक्ष्य के साथ कार्य करने की आवश्यकता

मुख्य अतिथि शोभा पैठणकर ने कहा कि यह एक सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी आयोजन है। आज हमें यह चिंतन करना चाहिए कि हिंदी राजभाषा से राष्ट्रभाषा क्यों नहीं बन पाई। यह तभी संभव है, जब निर्धारित लक्ष्य के साथ कार्य किया जाए। सरकार इस दिशा में अपने प्रयास तो कर रही है, लेकिन इसमें नागरिक समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। समाज में मानस परिवर्तन से ही हिंदी को राष्ट्रभाषा के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित किया जा सकता है। हिंदी अति समृद्ध भाषा है और इसमें रोजगार की असीम संभावनाएं है। राजभाषा नीति के उद्देश्यों के क्रियान्वयन और लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक विभाग को एक लक्ष्य के साथ कार्य करना होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से मातृभाषा पर काफी महत्व दिया जा रहा है। इस प्रयास से निश्चित ही हिंदी को राष्ट्रभाषा बनने का मार्ग प्रशस्त होगा।

भाषाई एकात्मता विकसित करने का प्रयास किया जा रहा

प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि हिंदी को व्यापकता प्रदान करने में गैर हिंदी भाषियों की भी काफी महत्वपूर्ण भूमिका है। हिंदी क्लब द्वारा ऐसे पाठ्यक्रमों का सृजन किया जा रहा है, जिससे सभी भाषा-भाषी एक मंच पर आ सकें और भाषाई एकात्मता विकसित हो सके।

कार्यक्रम का संचालन अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया। कार्यक्रम में हिंदी पखवाड़ा के दौरान प्रतिभागिता कर रहे केंद्रीय विद्यालय के विजयी विद्यार्थियों, विवि के अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रयोगशाला सहायकों, प्रयोगशाला प्रेम्यों को नकद पुरस्कार, प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

26/09/2024

जनसमर्थन से बनेगी हिंदी अंतर्राष्ट्रीय भाषा: कुलपति

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ के तत्त्वावधान में विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के रंगनाथन भवन में आयोजित किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शिक्षा विद एवं प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री शोभा पैठणकर थीं. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की. इस अवसर पर हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय एवं संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी हिंदी अधिकारी संतोष सोहगौरा मंचासीन थे। कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य देते हुए संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने कहा कि हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं और वह दिन दूर नहीं जब हिंदी न केवल राष्ट्रभाषा बल्कि संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा बनेगी. उन्होंने हिंदी पखवाड़ा में हुए विभिन्न गतिविधियों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. इस दौरान राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा निर्मित वृत्त चित्र का प्रदर्शन भी किया गया. अतिथियों द्वारा राजभाषा प्रकोष्ठ की पत्रिका 'भाषा-भारती' का विमोचन किया गया। अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी के प्रचार-प्रसार और बढ़ावा देने के लिए त्वरित गति से प्रयास किये जा रहे हैं. विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा में आयोजित विविध गतिविधियों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्देश्यों से प्रेरणा लेते हुए हम सभी कार्य कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि हमें आज हिंदी की स्थिति पर चर्चा करते हुए इसके व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए जिससे यह संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा बन सके. आज दुनिया के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी का पठन-पाठन हो रहा है. इसमें रोजगार के भी भरपूर अवसर हैं. आज आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का युग है. आज कम्प्यूटर बेस्ड हिन्दी टाइपिंग हो रही है. विश्वविद्यालय में हिन्दी क्लब की स्थापना की गई है जिसका उद्देश्य हिन्दी भाषी विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा से जोड़ना है और साथ ही उनकी मातृभाषाओं को अन्य भाषा-भाषियों से जोड़ना है. उन्होंने कहा कि हिन्दी को आगे ले जाने की भावना ही हिन्दी को आगे बढ़ाएगी. हिन्दी जन-जन की भाषा बने यही हमारा उद्देश्य होना चाहिए.

मुख्य अतिथि सुश्री शोभा पैठणकर ने हिन्दी पखवाड़ा के आयोजन के बारे कहा कि यह एक सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी आयोजन है. उन्होंने कहा कि आज हमें यह चिंतन करना चाहिए कि हिंदी राजभाषा से राष्ट्रभाषा क्यों नहीं बन पाई. यह तभी संभव है जब निर्धारित लक्ष्य के साथ कार्य किया जाए. सरकार इस दिशा में अपने प्रयास तो कर रही है लेकिन इसमें नागरिक समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है. समाज में मानस परिवर्तन से ही हिन्दी को राष्ट्रभाषा के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित किया जा सकता है. हिन्दी अति समृद्ध भाषा है और इसमें रोजगार की असीम संभावनाएं हैं. राजभाषा नीति के उद्देश्यों के क्रियान्वयन और लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक विभाग को एक लक्ष्य के साथ कार्य करने की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से मातृभाषा और भारतीय ज्ञान परंपरा पर काफी महत्व दिया जा रहा है. इस प्रयास से निश्चित ही हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनने का मार्ग प्रशस्त होगा। प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने विवि में हिंदी क्लब की गतिविधियों एवं आगामी रणनीतियों की चर्चा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का हिन्दी विभाग ने भी हिन्दी पखवाड़ा आयोजित किया जिसमें विद्यार्थियों ने अभूतपूर्व ढंग से सहभागिता की. उन्होंने कहा कि हिन्दी को व्यापकता प्रदान करने में गैर हिन्दी भाषियों की भी काफी महत्वपूर्ण भूमिका है. हिन्दी क्लब द्वारा ऐसे पाठ्यक्रमों का सृजन किया जा रहा है जिससे सभी भाषा-भाषी एक मंच पर आ सकें और भाषाई एकात्मता विकसित हो सके। कार्यक्रम का संचालन अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया. कार्यक्रम में हिन्दी पखवाड़ा के दौरान प्रतिभागिता कर रहे केन्द्रीय विद्यालय के विजयी विद्यार्थियों, विवि के अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रयोगशाला सहायकों, प्रयोगशाला प्रेम्यों को नकद पुरस्कार, प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये।

26/09/2024

2 सागर, गुरुवार 26 सितम्बर 2024 सागर

जनसमर्थन से बनेगी हिंदी अंतर्राष्ट्रीय भाषा: कुलपति

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ के तत्वाधान में विवि में हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम विवि के रंगनाथन भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शिक्षा विद् एवं प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता शोभा पैठणकर थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। इस अवसर पर हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय एवं संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी हिंदी अधिकारी संतोष सोहगौरा मंचासीन थे। कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य देते हुये संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने कहा कि हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिये हम सभी कटिबद्ध हैं और वह दिन दूर नहीं जब हिंदी न केवल राष्ट्रभाषा बल्कि संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा बनेगी। उन्होंने हिंदी पखवाड़ा में हुये विभिन्न गतिविधियों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस दौरान राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा निर्मित वृत्त चित्र का प्रदर्शन भी किया गया। अतिथियों द्वारा राजभाषा प्रकोष्ठ की पत्रिका भाषा भारती का विमोचन किया गया। कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विवि द्वारा हिंदी के प्रचार प्रसार और बढ़ावा देने के लिये त्वरित गति से प्रयास किये जा रहे हैं। विवि में हिंदी पखवाड़ा में आयोजित विविध गतिविधियों की सराहना करते हुये उन्होंने कहा कि इसके व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार करने के लिये प्रतिबद्ध होना चाहिये जिससे यह संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा बन सके। आज दुनिया के कई विवि में हिन्दी का पठन पाठन हो रहा है। इसमें रोजगार के भी भरपूर अवसर हैं। आज आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का युग है। आज कम्प्यूटर बेस्ड हिन्दी टाइपिंग हो रही है। विवि में हिन्दी क्लब की स्थापना की गई है जिसका उद्देश्य हिन्दी भाषी विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा से जोड़ना है और साथ ही उनकी मातृभाषाओं को अन्य भाषा भाषियों से जोड़ना है। हिन्दी को आगे ले जाने की भावना ही हिन्दी को आगे बढ़ायेगी। हिन्दी जन-जन की भाषा बने यही हमारा उद्देश्य होना चाहिये। मुख्य अतिथि शोभा पैठणकर ने हिन्दी पखवाड़ा के आयोजन के बारे कहा कि यह एक सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी आयोजन है। आज हमें यह चिंतन करना चाहिये कि हिंदी राजभाषा से राष्ट्रभाषा क्यों नहीं बन पाई। यह तभी संभव है जब निर्धारित लक्ष्य के साथ कार्य किया जाये। सरकार इस दिशा में अपने प्रयास तो कर रही है लेकिन इसमें नागरिक समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका महत्तवपूर्ण है। समाज में मानस परिवर्तन से ही हिन्दी को राष्ट्रभाषा के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित किया जा सकता है। प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि विवि का हिन्दी विभाग ने भी हिन्दी पखवाड़ा आयोजित किया जिसमें विद्यार्थियों ने अभूतपूर्व ढंग से सहभागिता की। हिन्दी को व्यापकता प्रदान करने में गैर हिन्दी भाषियों की भी काफी महत्वपूर्ण भूमिका है। हिन्दी क्लब द्वारा ऐसे पाठ्यक्रमों का सृजन किया जा रहा है जिससे सभी भाषा भाषी एक मंच पर आ सकें और भाषाई एकात्मता विकसित हो सके। कार्यक्रम का संचालन अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया। कार्यक्रम में हिन्दी पखवाड़ा के दौरान प्रतिभागिता कर रहे केन्द्रीय विद्यालय के विजयी विद्यार्थियों, विवि के अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रयोगशाला सहायकों, प्रयोगशाला प्रेष्यों को नकद पुरस्कार, प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये।

जनसमर्थन से बनेगी हिंदी अंतर्राष्ट्रीय भाषा- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

दबंग बुन्देलखंड

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ के तत्त्वावधान में विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के रंगनाथन भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शिक्षा विद एवं प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री शोभा पैठणकर थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। इस अवसर पर हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो.आनंद प्रकाश त्रिपाठी, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय एवं संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी हिंदी अधिकारी संतोष सोहगौरा मंचासीन थे।

कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य देते हुए संयुक्त कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने कहा कि हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिए हम सभी कटिबद्ध हैं और वह दिन दूर नहीं जब हिंदी न केवल राष्ट्रभाषा बल्कि संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा बनेगी। उन्होंने हिंदी पखवाड़ा में हुए विभिन्न गतिविधियों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस दौरान राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा निर्मित वृत्त चित्र का प्रदर्शन भी किया गया। अतिथियों द्वारा राजभाषा प्रकोष्ठ की पत्रिका भाषा-भारती का विमोचन किया गया। अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी के प्रचार-प्रसार और बढ़ावा देने के लिए त्वरित गति से प्रयास किये जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा में आयोजित विविध गतिविधियों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्देश्यों से प्रेरणा लेते हुए हम सभी कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें आज हिंदी की स्थिति पर चर्चा करते हुए इसके व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। जिससे यह संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा बन सके। आज दुनिया के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी का पठन-पाठन हो रहा है। इसमें रोजगार के भी भरपूर अवसर हैं। आज आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का युग है। आज कम्प्यूटर बेस्ड हिन्दी टाइपिंग हो रही है। विश्वविद्यालय में हिन्दी क्लब की स्थापना की गई है। जिसका उद्देश्य हिन्दी भाषी विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा से जोड़ना है और साथ ही उनकी मातृभाषाओं को अन्य भाषा-भाषियों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि हिन्दी को आगे ले जाने की भावना ही हिन्दी को आगे बढ़ाएगी। हिन्दी जन-जन की भाषा बने यही हमारा उद्देश्य होना चाहिए। मुख्य अतिथि सुश्री शोभा पैठणकर ने हिन्दी पखवाड़ा के आयोजन के बारे कहा कि यह एक सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी आयोजन है। उन्होंने कहा कि आज हमें यह चिंतन करना चाहिए कि हिंदी राजभाषा से राष्ट्रभाषा क्यों नहीं बन पाई। यह तभी संभव है जब निर्धारित लक्ष्य के साथ कार्य किया जाए। सरकार इस दिशा में अपने प्रयास तो कर रही है लेकिन इसमें नागरिक समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। समाज में मानस परिवर्तन से ही हिन्दी को राष्ट्रभाषा के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित किया जा सकता है। हिन्दी अति समृद्ध भाषा है और इसमें रोजगार की असीम संभावनाएं हैं. राजभाषा नीति के उद्देश्यों के क्रियान्वयन और लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक विभाग को एक लक्ष्य के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से मातृभाषा और भारतीय ज्ञान परंपरा पर काफी महत्त्व दिया जा रहा है। इस प्रयास से निश्चित ही हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनने का मार्ग प्रशस्त होगा। प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने विवि में हिंदी क्लब की गतिविधियों एवं आगामी रणनीतियों की चर्चा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का हिन्दी विभाग ने भी हिन्दी पखवाड़ा आयोजित किया। जिसमें विद्यार्थियों ने अभूतपूर्व ढंग से सहभागिता की उन्होंने कहा कि हिन्दी को व्यापकता प्रदान करने में गैर हिन्दी भाषियों की भी काफी महत्त्वपूर्ण भूमिका है। हिन्दी क्लब द्वारा ऐसे पाठ्यक्रमों का सृजन किया जा रहा है। जिससे सभी भाषा-भाषी एक मंच पर आ सकें और भाषाई एकात्मता विकसित हो सके। कार्यक्रम का संचालन अनुवादक अभिषेक सक्सेना ने किया। कार्यक्रम में हिन्दी पखवाड़ा के दौरान प्रतिभागिता कर रहे केन्द्रीय विद्यालय के विजयी विद्यार्थियों, विवि के अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रयोगशाला सहायकों, प्रयोगशाला प्रेष्यों को नकद पुरस्कार, प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये। इस अवसर पर वित्ताधिकारी कुलदीपक शर्मा, प्रो. अशोक अहिरवार, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. चंदा बेन, डॉ. एस पी गादेवार, डॉ. पंकज तिवारी, उपकुलसचिव सतीश कुमार, विधि अधिकारी बृजभूषण सिंह, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. आशुतोष, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. महेंद्र, डॉ. आयुष गुप्ता, डॉ. विवेक जायसवाल सहित विवि के कई शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

26/09/2024

अनुलग्नक

अनुलग्नक - 1

राजभाषा प्रकोष्ठ
HINDI CELL
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
DOCTOR HARISINGH GOUR VISHWAVIDYALAYA, SAGAR (M.P.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय A CENTRAL UNIVERSITY)

ई-मेल : hindicell2015@gmail.com
दूरभाष क्र. : (07582) 297118

क्र. राभाप्र / 31 / 2024 / 2198 — 02 सितम्बर, 2024

परिपत्र

सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से विश्वविद्यालय में इस वर्ष भाषा पर्व-हिन्दी दिवस को **'हिन्दी पखवाड़ा'** के रूप में आयोजित किया जा रहा है। दिनांक 14 सितम्बर, 2024 से आरम्भ होकर 25 सितम्बर तक होने वाले इस हिन्दी पखवाड़े में विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों का आयोजन राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम विवरण निम्नानुसार है –

कार्यक्रम विवरण
(दिनांक 14.09.2024 से 25.09.2024 तक)

क्र.	तिथि	कार्यक्रम विवरण	समन्वयक/निर्णायक	कार्यक्रम स्थल
1.	14 सितम्बर, 2024 (शनिवार) पूर्वाह्न 11.00 बजे	*गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भारत मण्डपम, नई दिल्ली में आयोजित हिन्दी दिवस एवं अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का प्रसारण। (मंत्रालय से कार्यक्रम की लिंक प्राप्त होने पर सभी को परिचालित की जाएगी।)	डॉ. रूपेन्द्र जुगल चौरसिया प्रभारी, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ	गौर समिति कक्ष कुलपति सचिवालय
2.	17 सितम्बर, 2024 (मंगलवार) अपराह्न 03.00 बजे	**स्व-रचित रचना पाठ** विश्वविद्यालय परिवार के हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा-भाषी सदस्यों द्वारा ('भारतीय भाषा प्रकोष्ठ' एवं 'हिन्दी क्लब' के सौजन्य से)	डॉ. संजीव सर्राफ उप-पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राकेश सोनी सहायक प्राध्यापक	रंगनाथन भवन सभागार
3.	18 सितम्बर, 2024 (बुधवार) पूर्वाह्न 11.30 बजे	**हिन्दी चित्रकला प्रतियोगिता** विषय: भारत की भाषायी एवं सांस्कृतिक विविधता। (विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु)	डॉ. सुप्रभा दास सहायक प्राध्यापक (ललित कला एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग)	ललित एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग
4.	19 सितम्बर, 2024 (गुरूवार) पूर्वाह्न 11.30 बजे	**हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता** (केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-04 के विद्यार्थियों हेतु)	प्राचार्य केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-04	केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-04
5.	20 सितम्बर, 2024 (शुक्रवार) पूर्वाह्न 11.30 बजे	**हिन्दी टंकण प्रतियोगिता** (विश्वविद्यालय के नियमित एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों हेतु)	डॉ. अभिषेक बंसल अध्यक्ष (कम्प्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग)	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग
6.	23 सितम्बर, 2024 (सोमवार) पूर्वाह्न 11.30 बजे	**आशुभाषण प्रतियोगिता** (विश्वविद्यालय के अधिकारियों हेतु)	श्री आशीष तिवारी सहायक कुलसचिव	गौर समिति कक्ष कुलपति सचिवालय
7.	24 सितम्बर, 2024 (मंगलवार) पूर्वाह्न 11.30 बजे	**टिप्पण, प्रारूपण एवं कार्यालयीन पत्राचार** पर कार्यशाला (विश्वविद्यालय के समस्त अवर श्रेणी लिपिक-LDCs हेतु)	श्री संतोष सोहगौरा संयुक्त कुलसचिव	रंगनाथन भवन सभागार
8.	25 सितम्बर, 2024 (बुधवार) अपराह्न 02.00 बजे	**पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह अध्यक्षता- मान. कुलपति महोदया मुख्य अतिथि - मान. सुश्री शोभा पैठणकर प्रतिष्ठित शिक्षाविद् एवं समाजसेवी**	हिन्दी अधिकारी	रंगनाथन भवन सभागार

विश्वविद्यालय के समस्त सम्माननीय शिक्षकों, अधिकारियों, एवं कर्मचारियों से अनुरोध है कि उपर्युक्त कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं में भाग लेकर राजभाषा को सशक्त कर हिन्दी पखवाड़ा को सफल बनाएँ।

नोट-

1- दिनांक 20 एवं 23 सितम्बर को आयोजित प्रतियोगिताओं में सफल प्रतिभागियों को क्रमश: प्रथम पुरस्कार ₹1000/- द्वितीय पुरस्कार ₹700/- एवं तृतीय पुरस्कार ₹500/- का नकद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र तथा शेष प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार स्वरूप प्रमाण-पत्र प्रदान किये जायेंगे।

2- समस्त प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र दिनांक 25 सितम्बर, 2024 (बुधवार) को हिन्दी पखवाड़ा के **'पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह'** में प्रदान किया जायेगा।

3- प्रतियोगिताओं के परिणामों हेतु संबंधित प्रतियोगिता के समन्वयक/निर्णायक/सक्षम प्राधिकारी का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

4- प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता के इच्छुक विद्यार्थियों/शिक्षकों/अधिकारियों/कर्मचारियों को अपना नाम प्रतियोगिता/आयोजन समन्वयक/निर्णायक के पास प्रतियोगिता आयोजन तिथि से एक दिन पूर्व अनिवार्य रूप से अंकित करवाना होगा।

5- प्रतियोगिताओं हेतु नियम एवं दिशानिर्देश समन्वयक/निर्णायक द्वारा प्रतियोगिता के पूर्व घोषित किए जायेंगे जो कि समस्त प्रतिभागियों हेतु बाध्यकारी होंगे।

6- प्रतियोगिताओं में 5 से कम प्रतिभागी होने पर संबंधित प्रतियोगिता निरस्त कर दी जावेगी।

02/09/2024

कुलसचिव (प्र.)

प्रतिलिपि :

1. समस्त निदेशक/अधिष्ठाता (प्रशासनिक एवं अध्ययनशालाएँ)
2. समस्त विभागाध्यक्ष।
3. समस्त अधिकारी/प्रभारी/शाखा प्रभारी। – कृपया अपने अधीनस्थ अधिकारी/कर्मचारियों को टीप कराने का कष्ट करें।
4. प्रभारी वेबसाइट प्रकोष्ठ/मीडिया अधिकारी – समुचित प्रचार–प्रसार हेतु।
5. प्राचार्य, केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 04 सागर (म.प्र.)।
6. कुलपति सचिवालय, माननीया कुलपति जी को सादर सूचनार्थ।
7. कुलसचिव जी के निजी सहायक ।
8. अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर (म.प्र.)।
9. संबंधित नस्ती।

हिन्दी अधिकारी (प्र.)

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। - भारतेंदु हरिश्चंद्र

अनुलग्नक - 2

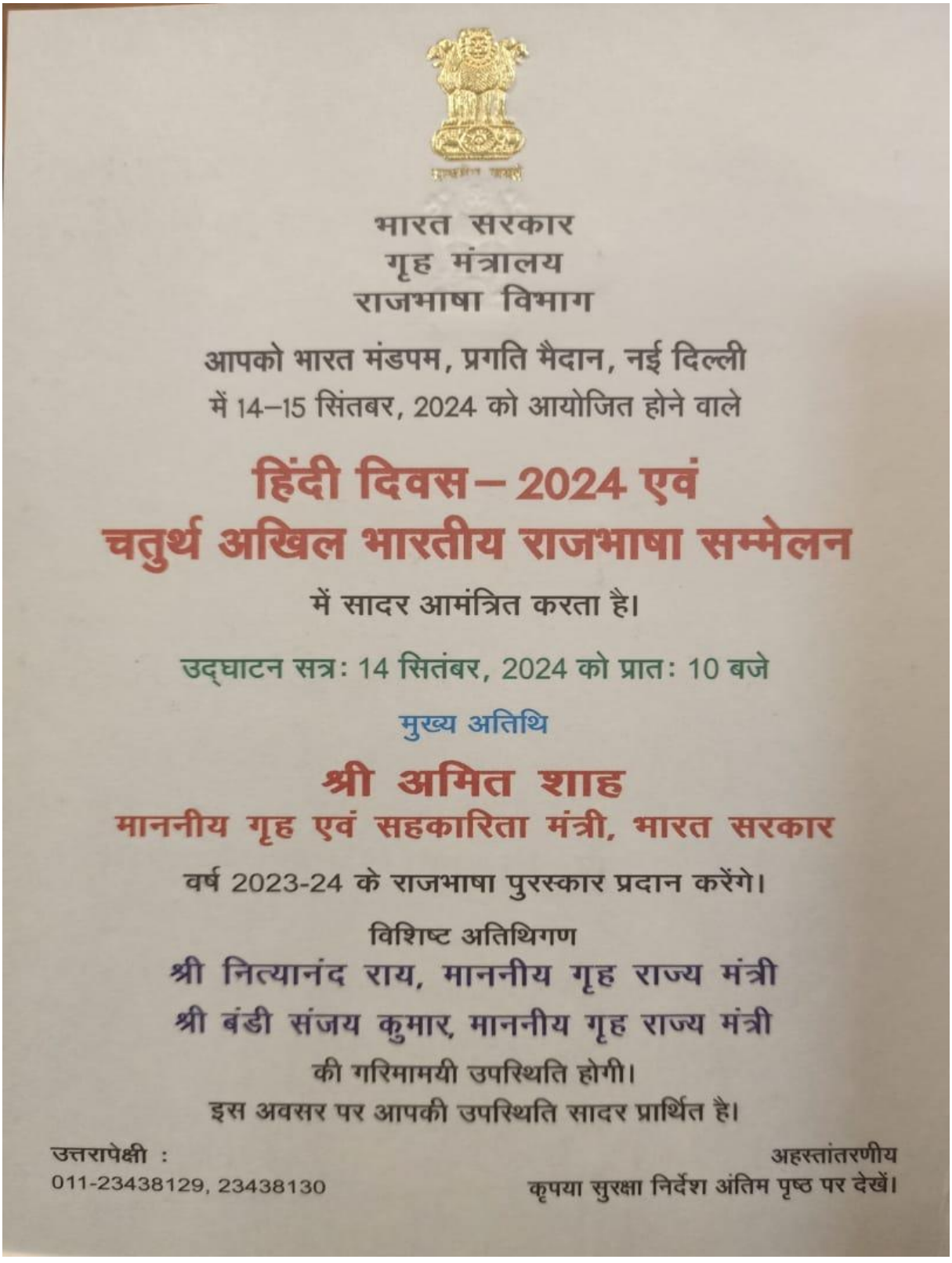

भारत सरकार
गृह मंत्रालय
राजभाषा विभाग

आपको भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली
में 14–15 सितंबर, 2024 को आयोजित होने वाले

हिंदी दिवस – 2024 एवं
चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन

में सादर आमंत्रित करता है।

उद्घाटन सत्र: 14 सितंबर, 2024 को प्रातः 10 बजे

मुख्य अतिथि

श्री अमित शाह
माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार

वर्ष 2023-24 के राजभाषा पुरस्कार प्रदान करेंगे।

विशिष्ट अतिथिगण
श्री नित्यानंद राय, माननीय गृह राज्य मंत्री
श्री बंडी संजय कुमार, माननीय गृह राज्य मंत्री
की गरिमामयी उपस्थिति होगी।
इस अवसर पर आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

उत्तरापेक्षी :
011-23438129, 23438130

अहस्तांतरणीय
कृपया सुरक्षा निर्देश अंतिम पृष्ठ पर देखें।

पहला दिन : 14.09.2024 (शनिवार)	
उद्घाटन सत्र – 10:00 बजे से 13:00 बजे तक	
मध्याह्न भोजन – 13:00 बजे से 14:30 बजे तक	
14:30 बजे से 16:00 बजे तक	**विषय: राजभाषा हीरक जंयती : विगत 75 वर्षों में राजभाषा, जनभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की प्रगति** 1. श्री हरिवंश – उप सभापति, राज्य सभा 2. डॉ. सुधांशु त्रिवेदी – संसद सदस्य, राज्य सभा 3. श्री अजय कुमार मिश्रा – पूर्व गृह राज्य मंत्री
16:00 बजे से 18:00 बजे तक	**विषय:– भारत की सांस्कृतिक विरासत और हिंदी** 1. डॉ. कुमार विश्वास – हिंदी कवि एवं व्याख्याता
जलपान – 18:00 बजे से	
दूसरा दिन : 15.09.2024 (रविवार)	
09:15 बजे से 11:00 बजे तक	**विषय: – भाषा शिक्षण में शब्दकोश की भूमिका एवं देवनागरी लिपि का वैशिष्ट्य** 1. प्रो. विमलेश कांति वर्मा – भाषाविद् 2. प्रो. एस. तंकमणि अम्मा – भाषाविद्, केरल विश्वविद्यालय 3. प्रो. गिरीश नाथ झा – अध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग 4. प्रो. सुनील बाबू राव कुलकर्णी – निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा 5. डॉ. इसपाक अली – लेखक एवं शिक्षाविद्, बंगलुरू
11:00 बजे से 13:00 बजे तक	**विषय:– तकनीक के दौर में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में "नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति" का योगदान** 1. श्री नित्यानंद राय – माननीय केंद्रीय गृह राज्य मंत्री 2. डॉ. अम्लान त्रिपाठी – प्रधान आयकर आयुक्त–9, कोलकाता (दक्षिण) 3. श्री अतुल कुमार गोयल – प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, पंजाब नैशनल बैंक 4. श्री अजय कुमार श्रीवास्तव – प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, आई.ओ.बी. 5. अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक – हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड
मध्याह्न भोजन – 13:00 बजे से 14:30 बजे तक	
14:30 बजे से 15:30 बजे तक	**विषय:– भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023: एक परिचर्चा** 1. श्री अर्जुन राम मेघवाल – माननीय केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री 2. प्रो. संगीत रागी – लेखक एवं कवि 3. श्री तुषार मेहता – भारत के महासॉलिसिटर
15:30 बजे से 17:30 बजे तक	**विषय:– हिंदी भाषा के विकास का सशक्त माध्यम : भारतीय सिनेमा** 1. श्री अनुपम खेर – अभिनेता 2. श्री चंद्रप्रकाश द्विवेदी – फिल्म निर्माता एवं निर्देशक
17:30 बजे	**समापन सत्र**
जलपान – 17:35 बजे से	

हिन्दी पखवाड़ा - 2024

अनुलग्नक - 3

पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह

पुरस्कार सूची

क्र.	विजेता का नाम	समन्वयक एवं निर्णायक	स्थान	
हिन्दी चित्रकला प्रतियोगिता, समन्वयक/निर्णायक - डॉ. सुप्रभादास, सहा.प्राध्यापक				
ललित कला एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग				
1	कु. आरोही देसाई, बी.एफ.ए.		प्रथम	प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये।
2	कु. अनीशा सिंह, बी.टेक		द्वितीय	
3	श्री चंद्रविजय सिंह, बी.एफ.ए.		तृतीय	
हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता, समन्वयक/निर्णायक - श्री आर.एस. वर्मा, प्राचार्य, के.वि. 04				
केन्द्रीय विद्यालय क्र. 04, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर म.प्र.				
1	कु. वेदिका दुबे, कक्षा- 09		प्रथम	प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये।
2	श्री कार्तिक चौरसिया, कक्षा- 09		द्वितीय	
3	श्री आदित्य पटेल, कक्ष- 10		तृतीय	
हिन्दी टंकण प्रतियोगिता (कर्मचारियों हेतु) समन्वयक/निर्णायक - डॉ. अभिषेक बंसल, अध्यक्ष कम्प्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग				
1	श्री पीयूष चौरसिया, निम्न श्रेणी लिपिक		प्रथम	`700/-
2	श्री अंकित जैन, निम्न श्रेणी लिपिक		द्वितीय	`500/-
3	श्रीमती मंजू जैन, निम्न श्रेणी लिपिक		तृतीय	`250/-
हिन्दी टंकण हेतु प्रमाण पत्र, नगद राशि एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये।				
आशुभाषण प्रतियोगिता (अधिकारियों हेतु) संयोजक - श्री संतोष सोहगौरा, संयुक्त कुलसचिव एवं राजभाषा अधिकारी (प्र.) समन्वयक - श्री आशीष तिवारी, सहायक कुलसचिव				
1	सीएमए कुलदीपक शर्मा, वित्ताधिकारी		प्रथम	`700/-
2	डॉ. संजीव सर्राफ, उप पुस्तकालयाध्यक्ष		द्वितीय	`250/-
2	श्री सतीश कुमार, उपकुलसचिव		द्वितीय	`250/-
3	श्री बृजभूषण सिंह, विधि अधिकारी		तृतीय	`250/-
आशुभाषण हेतु प्रमाण पत्र, नगद राशि एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये।				

अनुलग्नक - 4

सत्यमेव जयते
हिंदी दिवस 2024
के अवसर पर
माननीय गृह मंत्री जी
का संदेश
राजभाषा विभाग
गृह मंत्रालय, भारत सरकार

अमित शाह
गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

सत्यमेव जयते

प्रिय देशवासियो!

आप सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

इस वर्ष का हिंदी दिवस समारोह विशेष है, क्योंकि 14 सितंबर, 1949 को भारत की संविधान सभा द्वारा हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किए जाने के 75 वर्ष पूरे हो रहे हैं। यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि राजभाषा विभाग द्वारा इसे 'राजभाषा हीरक जयंती' के रूप में मनाया जा रहा है।

भारत अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पुरातन सभ्यता और भाषिक विविधता के लिए दुनिया में विशिष्ट स्थान रखता है। क्षेत्रीय भाषाओं ने हमारी अतुलनीय सांस्कृतिक विविधता को आगे बढ़ाने और देशवासियों को भारतीयता के अटूट सूत्र में पिरोने का काम किया है। अतः हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाओं को भारतीय अस्मिता का प्रतीक कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी।

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान स्वराज, स्वदेशी और स्वभाषा पर विशेष बल दिया गया था। हिंदी ने तब से लेकर आज तक, देश की विविधता में एकता स्थापित करने और सामूहिक सद्भावना को सुदृढ़ करने का महती कार्य किया है। हिंदी की इसी शक्ति के कारण उन दिनों हिंदी की स्वीकार्यता को बढ़ावा देने वालों में लोकमान्य तिलक, महात्मा गाँधी, लाला लाजपत राय, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, राजगोपालाचारी एवं अन्य गैर-हिंदीभाषी महानुभावों की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। आजादी के बाद हिंदी की इसी सर्वसमावेशी प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए हमारे संविधान निर्माताओं ने हिंदी को संघ की राजभाषा का दर्जा दिया तथा संविधान की आठवीं अनुसूची में प्रमुख भारतीय भाषाओं को स्थान दिया।

हिंदी एक ऐसी भाषा है, जिसमें आपको देश की कई भाषाओं के तत्व मिल जाएँगे। इसका इतिहास लिखने वालों ने तो रासो ग्रंथों, सिद्धों-नाथों की वाणियों से लेकर भक्तिकाल के संत कवियों और खड़ी बोली तक इसकी परम्परा को माना है। कवि चंदबरदाई से लेकर महाकवि विद्यापति, ज्योतिरीश्वर ठाकुर, तुलसीदास, सूरदास, मीराबाई, आंडाल, गुरू नानकदेव जी, संत रैदास, कबीरदास जी से लेकर आज तक कई साहित्यकारों व भाषाविदों ने भारतीय भाषाओं के माध्यम से हिंदी का मार्ग प्रशस्त किया। इसके विकास में उन असंख्य लोकभाषाकारों का भी अमूल्य योगदान है, जो गायन-वादन के द्वारा इस भाषा के आदिरूपों को जन-जन तक पहुँचाते रहे। हिंदी भाषा मैथिली, भोजपुरी, अवधी, ब्रज, हरियाणवी, राजस्थानी, मेवाती, गुजराती, छत्तीसगढ़ी, बघेली, कुँमाउनी, गढ़वाली जैसी मातृभाषाओं के समन्वित रूप से ही तो बनी है। मुझे खुशी है कि हिंदी भाषा इन मातृभाषाओं को अक्षुण्ण रखते हुए आगे बढ़ रही है और लगातार विकसित हो

रही है। आज जब राजभाषा के रूप में हिंदी अपनी 75वीं वर्षगाँठ पूरी कर रही है, तब हमें इसका यह इतिहास जरूर याद रखना चाहिए।

14 सितंबर, 1949 से लेकर लगातार राजभाषा के रूप में हिंदी के संवर्धन के अनेक काम हुए हैं। राजभाषा विभाग की विशाल यात्रा को पीछे मुड़ कर देखें, तो हमें कई महत्वपूर्ण पड़ाव दिखाई देते हैं, जहाँ इस विभाग ने जिम्मेदारीपूर्वक सरकारी तंत्र को भाषिक चेतना के प्रति प्रेरित किया है।

साल 1977 में श्रद्धेय **अटल बिहरी वाजपेयी जी** ने तत्कालीन विदेश मंत्री के रूप में पहली बार संयुक्त राष्ट्र की आम सभा को हिंदी में संबोधित कर राजभाषा का मान बढ़ाया। माननीय **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी** जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी भाषा में संबोधन देते हैं और भारतीय भाषाओं के उद्धरण देते हैं, तो समूचे देश में अपनी भाषा के प्रति गौरव के भाव को और बल मिलता है। बीते 10 वर्षों में हमारी सरकार ने राजभाषा को और भी समृद्ध व सक्षम बनाने के हर संभव कार्य किए हैं। 2018 में अनुवाद टूल कंठस्थ का लोकार्पण हो, 2020 में भारत की नई शिक्षा नीति में मातृभाषाओं को विशेष महत्व देने की अनुशंसा हो, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में आधिकारिक भाषाओं की सूची में कश्मीरी, डोगरी और हिंदी को शामिल करने के लिए विधेयक पारित करना हो, 2022 में हिंदी दिवस पर कंठस्थ 2.0 का लोकार्पण हो या साल 2021 से हर साल हिंदी दिवस पर 'अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन' आयोजित करना हो, सरकार राजभाषा व भारतीय भाषाओं के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्ध है। साथ ही, संसदीय राजभाषा समिति ने अपने प्रतिवेदन का 12वाँ खंड भी माननीय राष्ट्रपति महोदया को सौंप दिया है।

राजभाषा में कार्यों को प्रोत्साहन देने हेतु हमने साल 2022 से संशोधित राजभाषा गौरव पुरस्कार योजना भी शुरू की है जिसके तहत ज्ञान-विज्ञान, अपराध शास्त्र अनुसंधान, पुलिस प्रशासन, संस्कृति, धर्म, कला, धरोहर एवं विधि के क्षेत्र में राजभाषा में मौलिक पुस्तक लेखन हेतु पुरस्कार दिए जाते हैं। साथ ही, राजभाषा विभाग ने डिजिटल शब्दकोश 'हिंदी शब्द सिंधु' का निर्माण भी किया है।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में यह और भी आवश्यक हो जाता है कि हिंदी एवं भारतीय भाषाओं के माध्यम से जन-जन तक संवाद स्थापित करते हुए राष्ट्र की प्रगति सुनिश्चित की जाए। यह अत्यंत आवश्यक है कि हम व्यापक रूप से सरल और सहज भाषा का प्रयोग करके राजभाषा और जनभाषा के बीच की दूरी को पाटें, ताकि देश के हर वर्ग का नागरिक देश की प्रगति से परिचित भी हो और लाभान्वित भी। इस तरह 'आत्मनिर्भर भारत' व 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारी भारतीय भाषाओं की सशक्त भूमिका रहने वाली है।

मुझे विश्वास है कि हिंदी दिवस एवं राजभाषा हीरक जयंती समारोह, मातृभाषाओं के प्रति राजभाषा विभाग की प्रतिबद्धता को और भी ऊँचाई देने का सार्थक माध्यम बनेगा। मैं राजभाषा विभाग के कार्यों की सराहना करते हुए हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

वंदे मातरम!

नई दिल्ली
14 सितंबर, 2024

(अमित शाह)

अनुलग्नक - 5

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

शिक्षा मंत्री
भारत सरकार
Minister of Education
Government of India

संदेश

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

हिंदी की सरलता, मौलिकता, सुग्राह्यता और स्वीकार्यता को ध्यान में रखते हुए 14 सितंबर, 1949 को भारतीय संविधान के निर्माताओं ने संविधान के अनुच्छेद 343 में संघ की राजभाषा के रूप में हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि को स्थान दिया। इसी के आलोक में प्रतिवर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

जिस प्रकार गंगा हिमालय की गोद से निकलकर संपूर्ण मैदानी भाग के करोड़ों कंठों की प्यास बुझाते हुए गंगासागर के जल में मिश्रित होकर संपूर्ण विश्व के जल से मिल जाती है उसी प्रकार हिंदी वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश या अवहट् की यात्रा करते हुए भारत भूमि के करोड़ों लोगों के हृदय में खड़ी बोली के रूप में सृजित होती है। यह न केवल भारत भूमि के लोगों के हृदय में उतरती है बल्कि संपूर्ण विश्व में अपनी सहजता, सरलता और वैज्ञानिकता के कारण स्वीकार की जाती है।

उत्तरोत्तर विकास करते हुए भारत देश की प्रगति में हिंदी की भूमिका और योगदान अतुलनीय है। भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के शब्दों में कहा जाए तो 'भाषा की सरलता, सहजता और शालीनता अभिव्यक्ति को सार्थकता प्रदान करती है।' स्वतंत्रता पूर्व से लेकर आज तक भारतीय संस्कृति की संवाहिका के रूप में हिंदी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हिंदी के महान लेखक भारतेंदु हरिश्चंद्र ने कहा है:

निज भाषा उन्नति अहै,
सब उन्नति को मूल
बिनु निज भाषा ज्ञान के
मिटत न हिय कै सूल

राजभाषा नियमों का पालन करना केंद्र सरकार के कार्यालयों में कार्यरत प्रत्येक कार्मिक का संवैधानिक दायित्व है। अत: इस अवसर पर मेरा आप सभी से अनुरोध है कि आप सरकारी कामकाज में हिंदी का अधिकाधिक उपयोग करें। मूल टिप्पणी व पत्राचार हिंदी में ही करें। अधिकारियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपना अधिकाधिक कार्य हिंदी में करके अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के समक्ष आदर्श प्रस्तुत करें। हिंदी दिवस के इस शुभ अवसर पर हम यह संकल्प लें कि हम अपना सरकारी कार्य हिंदी में करने के अपने संवैधानिक और नैतिक दायित्वों का पालन पूरी श्रद्धा से करते रहेंगे।

शुभकामनाओं सहित।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

नई दिल्ली
दिनांक: 14 सितंबर, 2024

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

MOE - Room No. 301, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
E-mail : minister.sm@gov.in

अनुलग्नक - 6

राजभाषा प्रकोष्ठ
HINDI CELL
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
DOCTOR HARISINGH GOUR VISHWAVIDYALAYA, SAGAR (M.P.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय A CENTRAL UNIVERSITY)

ई–मेल : hindicell2015@gmail.com
दूरभाष क्र. : (07582) 297118

क्रमांकः/रा.भा./2024/2220

24 सितम्बर, 2024

//आमंत्रण सूचना//

राजभाषा प्रकोष्ठ, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर हिन्दी दिवस को हिन्दी पखवाड़ा (दिनांक 14–25 सितम्बर, 2024) के रूप में मना रहा है। पखवाड़ा के दौरान राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया है।

उक्त पखवाड़े का 'पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह' दिनांक 25.09.2024 दिन बुधवार को अपराह्न 02.00 बजे **माननीया कुलपति महोदया प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता एवं मुख्य अतिथि माननीया सुश्री शोभा पैठणकर, प्रतिष्ठित शिक्षाविद् एवं समाजसेवी** की गरिमामयी उपस्थिति में रंगनाथन भवन के सभागार में आयोजित किया जा रहा है।

उक्त समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में विश्वविद्यालय के समस्त सम्माननीय शिक्षकगण अधिकारीगण, कर्मचारीगण, शोधार्थी, विद्यार्थीगण एवं विभिन्न प्रतियोगिता के सभी समन्वयकों/निर्णायकों एवं प्रतिभागियों से निवेदन है कि उक्त समारोह में पधारकर इसे सफल बनाएं। आगंतुकों से विशेष आग्रह है कि कृपया कार्यक्रम प्रारम्भ होने से 10 मिनिट पूर्व अपना स्थान अवश्य ग्रहण कर लें।

भवदीय,

24/9/2024
कुलसचिव (प्र.)

प्रतिलिपि :

1. सर्वसंबंधितगण।
2. कुलपति जी के निजी सहायक– माननीया कुलपति जी को सादर सूचनार्थ।
3. कुलसचिव जी के निज सहायक।
4. गार्ड फाईल।

राजभाषा अधिकारी (प्र.)

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। - भारतेंदु हरिश्चंद्र

अनुलग्नक - 7

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म. प्र.)
DOCTOR HARISINGH GOUR VISHWAVIDYALAYA, SAGAR (M. P.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय / A Central University)
(नैक द्वारा A+ प्रत्यायित / A+ NAAC Accredited)

प्रो. नीलिमा गुप्ता
Prof. Neelima Gupta
कुलपति / Vice-Chancellor

Ex Vice-Chancellor
CSJM University, Kanpur
Tilka Manjhi Bhagalpur University, Bhagalpur
Munger University, Munger (Addl. Charge)

क्र. कुलपति / 2024 / 192

दिनांक : 18 सितंबर, 2024

सम्माननीय ताई जी,

जैसा कि विदित है कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन में राजभाषा के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से प्रतिवर्ष विश्वविद्यालय में सितम्बर माह के दौरान **हिन्दी पखवाड़ा एवं हिन्दी दिवस (14 सितम्बर)** का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष हिन्दी पखवाड़े के दौरान हम अपने विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं, कार्यक्रमों एवं कार्यशालाओं का आयोजन करने जा रहे हैं। चूंकि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी हिन्दी पखवाड़ा का शुभारम्भ अखिल भारतीय स्तर पर 14-15 सितम्बर को **हिन्दी दिवस एवं चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन** के रूप में भारत मण्डपम, नई दिल्ली में किया गया। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार सभी कार्यालयों के हिन्दी पखवाड़ा का शुभारम्भ उक्त सम्मेलन से ही किया गया। हम अपने विश्वविद्यालय में हिन्दी पखवाड़ा का **मुख्य समारोह** दिनांक **25 सितम्बर, 2024 को 'पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह'** के रूप में आयोजित करने जा रहे हैं।

यह हम सभी भली-भांति जानते हैं कि आपके जीवन का प्रत्येक क्षण माँ भारती की सेवा में समर्पित है। समाज की सेवा करते हुए मातृभाषा, मूल्य आधारित शिक्षा, चरित्र निर्माण तथा भारतीय संस्कारों व संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए आप अनवरत प्रयासरत हैं। इस दिशा में आपने विगत वर्षों में अनेकानेक महत्वपूर्ण कार्य किए हैं जो हम सभी के लिए अनुकरणीय हैं। इसलिए, हमारा आपसे विनम्र आग्रह है कि कृपया **दिनांक 25 सितम्बर, 2024 (बुधवार) अपरान्ह 2:00 बजे** आयोजित होने जा रहे समारोह में **मुख्य अतिथि** के रूप में पधार कर हमें अपने आशीर्वचनों से अनुग्रहीत करें। सुलभ संदर्भ हेतु मुख्य समारोह कार्यक्रम की रूपरेखा संलग्न है।

हमें आपकी यथासमय सहमति का इंतजार रहेगा, ताकि हम आपके आतिथ्य का यथोचित प्रबंध कर सकें। आपके व्याख्यान हेतु मानदेय एवं यात्रा भत्ते का भुगतान विश्वविद्यालय के नियमानुसार देय होगा।

आदर सहित,

संलग्नक : उपरोक्तानुसार

भवदीय,
नी. गुप्ता
(प्रो. नीलिमा गुप्ता)
कुलपति

प्रति,
सुश्री शोभा पैठणकर
प्रतिष्ठित शिक्षाविद एवं समाजसेवी
राष्ट्रीय संयोजक, महिला कार्य
शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास
नई दिल्ली-110028

☎ (Office) : (07582) - 264796, Mobile : +91 9412376677, +91 8989538488, Website : www.dhsgsu.edu.in
E-mail : vc@dhsgsu.edu.in, vcneelimagupta@gmail.com

राजभाषा प्रकोष्ठ
गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
NAAC A+
समारोह -2024
प्रमाण पत्र
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
हिन्दी पखवाड़ा-2024
पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह
(25 सितम्बर, 2024)
हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता
तृतीय पुरस्कार
श्री आदित्य पटेल
कक्षा-10
केन्द्रीय विद्यालय क्र.-04, सागर
विनयावत्
संतोष सोहगौरा
राजभाषा अधिकारी (प्र.)
एवं संयुक्त कुलसचिव
PERK

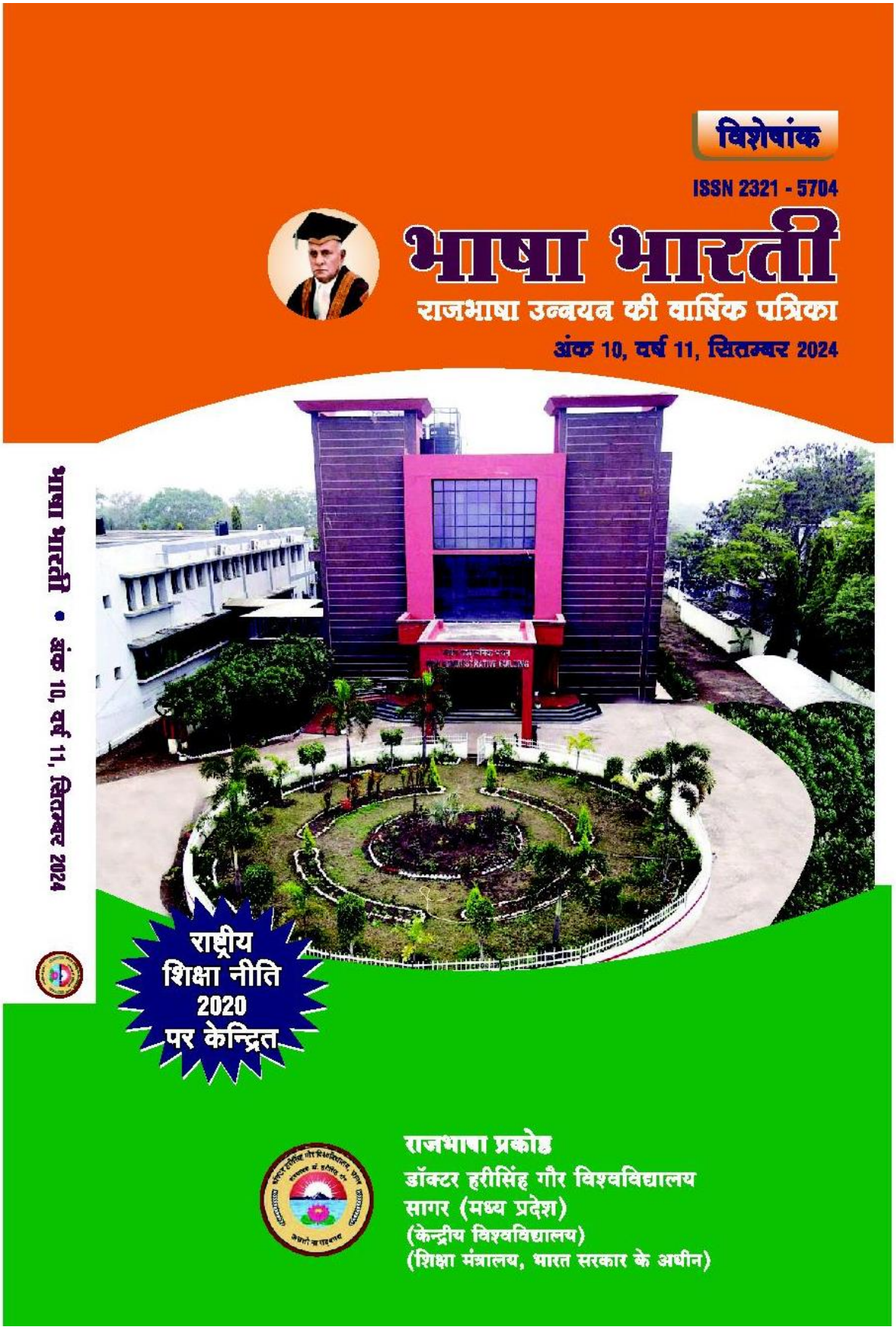
विशेषांक
ISSN 2321 - 5704
भाषा भारती
राजभाषा उन्नयन की वार्षिक पत्रिका
अंक 10, वर्ष 11, सितम्बर 2024
भाषा भारती • अंक 10, वर्ष 11, सितम्बर 2024
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर केन्द्रित
राजभाषा प्रकोष्ठ
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय
सागर (मध्य प्रदेश)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन)

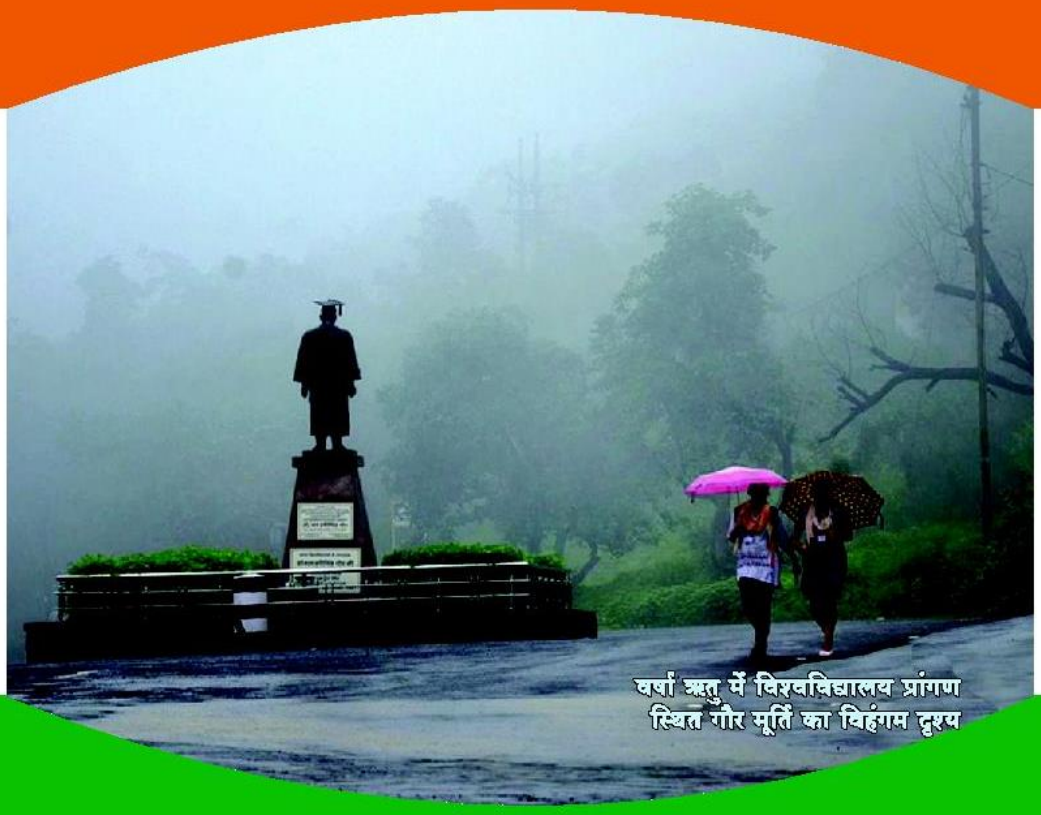

वर्षा ऋतु में विश्वविद्यालय प्रांगण
स्थित गौर मूर्ति का विहंगम दृश्य

'हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है, जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का बहिष्कार नहीं किया'।

– डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

ISSN 2321-5704

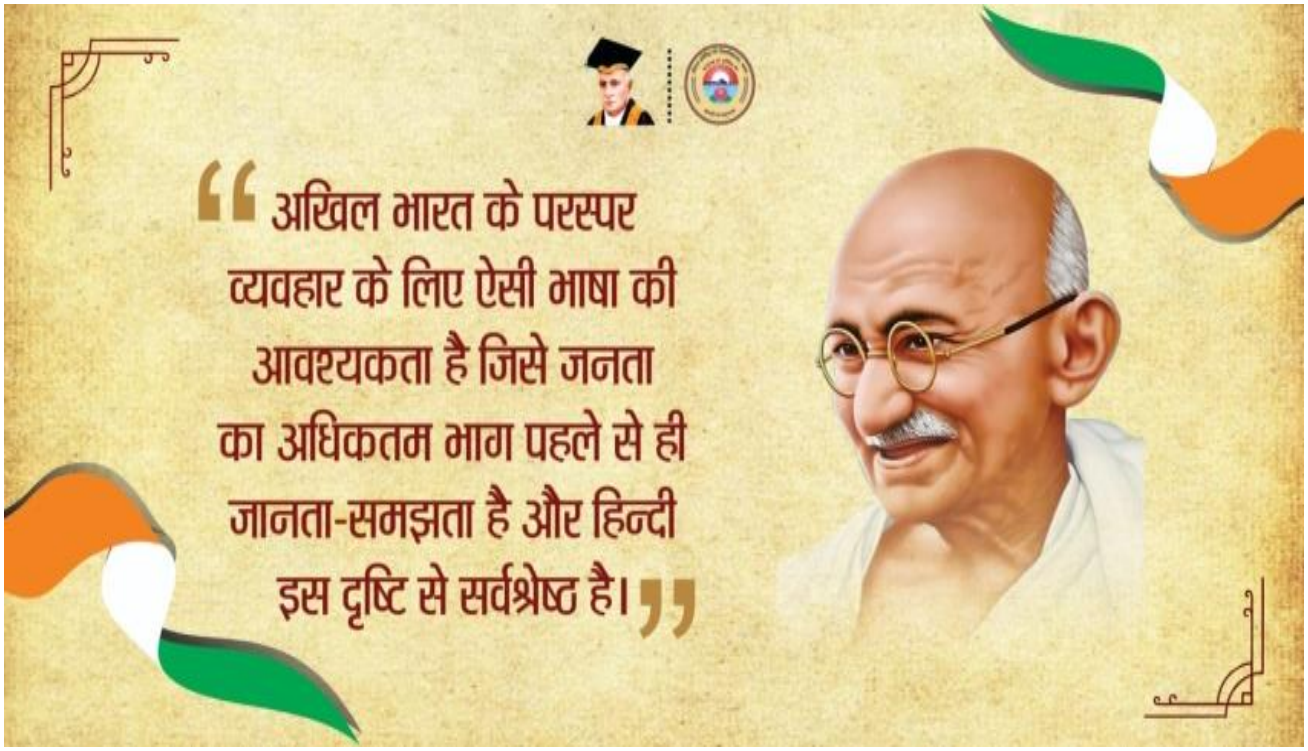
“अखिल भारत के परस्पर
व्यवहार के लिए ऐसी भाषा की
आवश्यकता है जिसे जनता
का अधिकतम भाग पहले से ही
जानता-समझता है और हिन्दी
इस दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ है।”

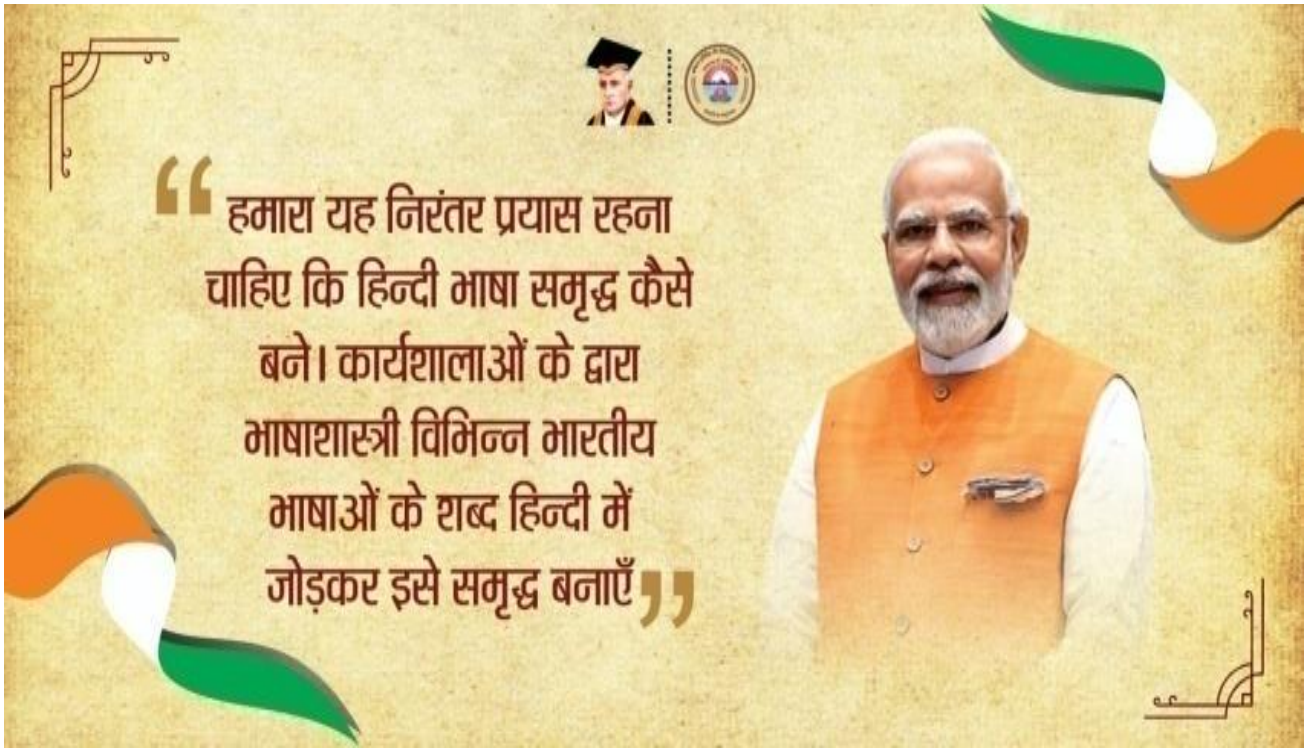
“हमारा यह निरंतर प्रयास रहना
चाहिए कि हिन्दी भाषा समृद्ध कैसे
बने। कार्यशालाओं के द्वारा
भाषाशास्त्री विभिन्न भारतीय
भाषाओं के शब्द हिन्दी में
जोड़कर इसे समृद्ध बनाएँ”

राजभाषा प्रकोष्ठ

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)